www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 210 || लखनऊ
रविवार
01 नवम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:15
सूर्यास्तः 05:24
अधिकतमः 28°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार | मुट्ठी भर अमीरों की कीमत चुका... >> पेज 04 | एटीएस से ट्रेनिंग लेने वाल... >>पेज 06 | तेज गेंदबाज आकिब नबी...

फास्ट न्यूज

जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के खिलाफ 24 विधायक लामबंद

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

घटना कार्रवाई

5-स्टार होटल के पूल में करंट, 2 विदेशियों की मौत

बेंगलुरु । 5-स्टार कॉनराड होटल के स्विमिंग पूल में शुक्रवार शाम करंट लगने से दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। घटना होटल की तीसरी मंजिल पर बने पूल में हुई। मृतकों की पहचान 57 साल के जर्मन नागरिक अलेक्जेंडर मैक्सिमिलियन थाइस और 45 साल के स्लोवाकियाई नागरिक जुराज होर्वाट के रूप में हुई है। दोनों होटल में ठहरे हुए थे।

दोनों को बचाने की कोशिश में एक अमेरिकी नागरिक और होटल का पूल अटेंडेंट घायल हो गए। दोनों को मणिपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

10वीं की छात्राओं पर आरी से हमला

अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार को स्कूल की क्लास के अंदर 10वीं की छात्रा पर पावर चेनसॉ (बिजली से चलने वाली आरी) से हमला किया गया। यह वारदात सुबह 10 बजे की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दायां हाथ कट गया और चेहरे, गर्दन और कान पर गंभीर चोटें आईं।

मुख्यमंत्री बोले- पहले की सरकारें युवाओं को बोझ मानती थीं, हमने युवा शक्ति को उपलब्धि माना, स्केल को स्किल से जोड़कर रोजगार देंगे

जिलों में बनेंगे सरदार पटेल स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट जोन

- गरीबों का पैसा निगल जाती थीं कांग्रेस-सपा, बंदरबांट कर देती थीं, अब पूरे 100 खाते में पहुंचते हैं
- इन कांग्रेसियों ने देश को लूटा, टेलीफोन और रसोई गैस के कनेक्शन तक बेचते थेः सीएम

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सरदार वल्लभभाई पटेल स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट जोन विकसित किए जाएंगे। पहले चरण में गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, झांसी और गौतमबुद्धनगर में इन केंद्रों की स्थापना की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके बाद सभी 18 मंडल मुख्यालयों और फिर प्रदेश के प्रत्येक जनपद तक योजना का विस्तार होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सीएम ने बोला सपा-कांग्रेस पर हमला, कहा- बीमारू यूपी नहीं था, इन दलों की मानसिकता बीमारू थी
- पहले हर जिले में माफिया पाले जाते थे, हमने माफिया को मिट्टी में मिला दियाः सीएम योगी
- सीएम बोले- स्केल हो और स्किल न हो तो गति दुर्गति में बदल जाती है, स्केल के साथ स्किल हो तो गति प्रगति बन जाती है
- सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया योजना का शुभारंभ, पहले चरण में गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, झांसी और गौतमबुद्धनगर में बनेंगे केंद्र
- एक छत के नीचे युवाओं का पंजीकरण, रुचि के अनुसार कौशल प्रशिक्षण और रोजगार की व्यवस्था, विदेशों में नौकरी के लिए भाषा प्रशिक्षण भी मिलेगा

उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री ने बताया कि टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स, अशोक लीलैंड, बीबीसी ग्रुप, पीटीसी, सीआईपैट, एशियन डेवलपमेंट बैंक, मिंडा और अवाडा जैसी संस्थाओं के साथ एमओयू किए गए हैं। इन संस्थाओं के अनुभव और तकनीक का लाभ युवाओं को मिलेगा। उन्होंने लखनऊ में वाहन निर्माण और अशोक लीलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग में वैल्यू एडिशन से किसानों की आय कई गुना बढ़ सकती है। दूध से छाछ, घी, मक्खन और पनीर जैसे उत्पाद बनाकर अधिक मूल्य प्राप्त किया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर ने निधि राजदान से शादी की

फोटो पोस्ट कर लिखा- कल एक नई शुरुआत हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

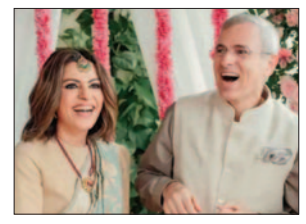

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पूर्व पत्रकार निधि राजदान से शादी कर ली है। उमर ने शनिवार को दोनों की 2 तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा- 'कल एक नई शुरुआत हुई, निधि।'

पोस्ट के साथ उन्होंने रिंग इमोजी भी लगाया। इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स दोनों की शादी और सगाई को लेकर कयास लगा रहे हैं।

निधि ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में रिंग इमोजी के साथ लिखा, इट्स डन ब्रो। उमर का पहली पत्नी पायल के साथ इस साल 31 जुलाई को तलाक हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई को उमर अब्दुल्ला और उनकी पत्नी पायल के तलाक की मंजूरी दी थी। दोनों की शादी 32 साल पहले हुई थी। दोनों 2011 से अलग रह रहे थे। दोनों ने कोर्ट को बताया कि आपसी सहमति से अपनी शादी खत्म करने और सभी विवादों को सुलझाने का फैसला किया है।

उमर ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी शादी को खत्म करने से इनकार कर दिया था।

- पायल से 32 साल पहले हुई थी शादी, सुप्रीम कोर्ट में सहमति से डिवोर्स

देश में विभाजन की साजिश विदेश में गुपचुप मीटिंग होती है : मोदी

विपक्ष विरोध नहीं अवरोध पर उतर आया

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

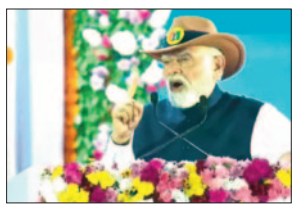

अहमदाबाद । पीएम मोदी ने शनिवार को कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि विपक्ष विरोध की बजाय अवरोध पक्ष बन गया है और देश को बांटना चाहता है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कौन विदेश में किससे गुपचुप मिल रहा है सब दिख रहा है। हमें एकजुट रहना है।

दरअसल भाजपा ने दावा किया था कि राहुल इसी महीने वियतनाम दौरे पर गए थे। पीएम शनिवार को गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

हमारी नजर एक ही लक्ष्य पर रहेगी 2047 तक जब आजादी के 100 साल होंगे। सशक्त और समर्थ विकसित भारत का निर्माण.. हमारी हर सांस में यही जुनून होना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

- मोदी बोले- हमारी नजर सशक्त-समर्थ और विकसित भारत बनाने पर

विपक्ष की संसद 3.23 घंटे चली, ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन-महाभियोग पास, 19 विपक्षी दलों के 215 सांसद मौजूद रहे

2024 लोकसभा चुनाव अवैधः राहुल

स्पीच

- मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने संबोधन में सरकार के साथ ही
- मुख्य चुनाव आयुक्त पर भी जमकर हमला बोला।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा SIR के जरिए 13.3 करोड़ यानी 15 फीसदी मतदाताओं के नाम हटाए गए। इनमें से कई ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। उस चुनाव में जीत का अंतर सिर्फ 3 फीसदी वोट था। राहुल शनिवार को दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर चल रही मॉक पार्लियामेंट को संबोधित कर रहे थे। यह संसद 3 घंटे 23 मिनट चली। पूर्व स्पीकर मीरा कुमार ने अध्यक्षता की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनमहाभियोग प्रस्ताव लाए। उन पर 6 आरोप लगाए गए। प्रस्ताव को सभी सांसदों ने पास कराया। कांग्रेस सहित 19 दलों के 215 सांसद शामिल हुए। जन महाभियोग में जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ विरोध जताते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

आज नहीं तो कल जनता को जवाब देना होगा

राहुल ने कहा- यहां लोग कह रहे हैं कि आप अपनी संस्था के पीछे छिप रहे हैं। जिसके लिए आपने शपथ ली थी कि आप उसकी रक्षा करेंगे। लेकिन याद रखें आप हमेशा नहीं बच सकते हैं। आज नहीं तो कल जनता को जवाब देना होगा। क्योंकि आप इस खेल को खेल रहे हैं। कानून के बाहर, चुनाव की गरिमा को खत्म करने इसलिए आप हमारा पहला टारगेट हैं। यह हथियार जनता और नौजवानों को न्याय दिलाएगा। क्योंकि हमारे पास कोई रास्ता नहीं है।

- हालात बदल रहे हैं, इस बगीचे में एक नया राजनीतिक हथियार आ गया है और यह आपको बुरी तरह नुकसान पहुंचाएगा।
- ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का पूरा समर्थन करता हूं उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए और उन्हें न्याय के दायरे में लाया जाना चाहिए। - राहुल गांधी

राहुल बोले- सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए हैं

राहुल ने कहा- हम यहां CEC के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए हैं। एक बात है- दो चीजों के बीच बहुत बड़ा अंतर है। ज्ञानेश एक अलग शख्सियत हैं, और एक संस्था के प्रमुख के तौर पर उनकी अलग शख्सियत है। पहली बात- खड़गे जी गार्डियन हैं, दूसरी बात -जो भी चुनाव आयोग, न्यायपालिका के साथ हो रहा है उसे रोकने का दूसरा रास्ता नहीं था? तो बात यह है कि कोई दूसरा रास्ता नहीं था।

नेशनल कांफ्रेंस के नेता बोले- वोट की रक्षा जरूरी

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नासिर असलम ने कहा- चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वो हर नागरिक के वोट की रक्षा करे, निष्पक्ष चुनाव करवाए और हर पार्टी को समान नजर से देखे। लेकिन बदकिस्मती से आज इनमें से कुछ भी नजर नहीं आता है, इसलिए हमें मिलकर आवाज उठानी होगी, साथ में खड़ा रहना पड़ेगा।

> राहुल ने कहा- हम एक चेतावनी दे रहे हैं चीजें बदल रही हैं। यहां एक नया पॉलिटिकल हथियार तैयार हो रहा है। हम कोई दुश्मन नहीं है, लेकिन हम देश और संविधान की आवाज को उठाएंगे, उसकी रक्षा करेंगे। देश की जनता हमारी ताकत हैं। यह एक परीक्षा है सरकार की।

राहुल बोले- लोग कभी नहीं भूलेंगे कि उनके साथ क्या हुआ

राहुल गांधी ने कहा- अगर ज्ञानेश सोच रहे हैं कि मोदी शाह उन्हें बचा लेंगे तो देखिए देश में क्या हो रहा है। लोगों का मूड क्या है। आप लगे रहिए वोट चोरी करवाने में। मैं गारंटी देता हूं कि जो लोग सड़कों पर हैं, वे कभी नहीं भूलेंगे कि आपने उनके साथ क्या किया। थोड़ा करप्शन कर दिया, स्कैम कर दिया और हो गया। आपने देश की आत्मा पर हमला किया है। और हम इसके लिए आपको छोड़ेंगे नहीं। राज्यसभा लोकसभा में आप हमें बोलने नहीं देते, लेकिन आज हम यहां हैं तो हम जनता के सपोर्ट के कारण खड़े हैं।

- नागरिकों के वोट का अधिकार गंभीर खतरे में', मॉक संसद में बोले खरगे

'सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाया जाए

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन के सिंबॉलिक पब्लिक इंपीचमेंट प्रोग्राम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि नागरिकों के वोट का अधिकार गंभीर खतरे में है। उन्होंने मांग की है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाया जाए।

वाराणसी से स्लीपर वंदेभारत शुरू

प्रयागराज-कानपुर समेत 4 स्टेशनों पर रुकेगी, योगी ने रेलमंत्री के साथ अंदर से देखी

सराहना

तमसा संकेत, एजेंसी

- सीएम योगी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने वाराणसी से वंदेभारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वाराणसी । सीएम योगी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी से वंदेभारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है, जो काशी से दिल्ली के बीच दौड़ेगी।

दोनों शहरों के बीच का सफर करीब 9 घंटे में पूरा होगा। ट्रेन प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़ और गाजियाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी। वाराणसी से शुक्रवार और दिल्ली से शनिवार को नहीं चलेगी।

पूरी तरह एसी इस ट्रेन में 16 कोच हैं। इसमें 823 यात्री सफर कर सकेंगे। ट्रेन में फर्स्ट एसी का 1, सेकेंड एसी के 4 और थर्ड एसी के 11 कोच हैं।

ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले सीएम योगी और रेल मंत्री ने इसका निरीक्षण किया। दोनों ने लोको पायलट से बातचीत की। इस दौरान रेल मंत्री ने सीएम योगी को ट्रेन की खूबियां भी बताईं।

>> (शेष पेज 06 पर)

30 साल तक भाजपा की सरकार बनती रहेगी

डिप्टी सीएम केशव ने कहा कि आने वाले 30 साल तक भाजपा को ऐसा ही बहुमत मिलता रहेगा और पार्टी बार-बार सरकार बनाएगी। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सपा उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापस नहीं आएगी और भाजपा प्रदेश से कहीं नहीं जाने वाली है।

जांच : बोले- मुसलमान होने की सजा मिल रही | 11 महीने बाद रिहा हुए थे

आजम को जेल के बाहर से ईडी ने किया गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

- जेल से बाहर आते ही ईडी ने आजम को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान उन्होंने आसमान की तरफ हाथ उठाकर इशारे में कहा कि अल्लाह सब देख रहा है।

रामपुर । सपा नेता आजम खान बेटे अब्दुल्ला के साथ 11 महीने बाद रामपुर जेल से बाहर आए, लेकिन जेल के गेट से ही ED ने आजम को गिरफ्तार कर लिया।

पहले जेल के बाहर प्रवर्तन निदेशालय (ED) के अफसरों ने आजम से पूछताछ की, फिर अपने साथ गाड़ी में बैठाकर ले गए। ED आजम को गाजियाबाद कोर्ट में पेश करगी।

ED का आरोप है कि आजम ने जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में सरकारी धन और ठेकों से जुड़े पैसों का दुरुपयोग किया है। एजेंसी 416.14 करोड़ रुपए के खर्च में अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। इससे पहले ED और आजम के बीच जेल के बाहर काफी देर बहस भी हुई। इस बीच आजम ने भावुक अंदाज में कहा- अब कहने को क्या है? यह मुसलमान होने की सजा है। गलती यह है कि एक मुसलमान ने यूनिवर्सिटी बनाई। यह हमारा गुनाह है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> जब ईडी आजम खान को गिरफ्तार करने के बाद साथ ले जाने लगी, तो वह रस्सी पकड़करसमर्थकों को समझाते रहे। इस बीच एक व्यक्ति आजम की तरफ टिफिन बढ़ाने लगा। लेकिन, ईडी के अफसरों ने उसे रोक दिया।

वकील बोले- बिना आईडी दिखाए जेल में दाखिल हुए अफसर

आजम खान के वकील जुबेर खान ने कहा कि कुछ लोग बिना आईडी कार्ड दिखाए जेल में दाखिल हुए। यह भी नहीं बताया कि वे कौन हैं और किस विभाग से आए हैं? मैंने ईडी के अफसरों को बताया कि आजम की तबीयत ठीक नहीं है। वह बीमार हैं, लेकिन उनकी बात सुने बिना ही उन्हें अपने साथ ले गए।

घर जाने से पहले अब्दुल्ला ने समर्थकों के साथ नारे लगाए

आजम बेटे अब्दुल्ला के साथ जेल से बाहर निकले। इस दौरान ईडी ने आजम को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें अपने साथ ले गई। बेटा अब्दुल्ला कार से घर चला गया। लेकिन, घर जाने से पहले उसने समर्थकों के साथ नारे लगाए।

दिल्ली की जूता फैक्ट्री में आग, 4 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 में जूते की फैक्ट्री में शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों की हालत गंभीर है।

रेस्क्यू टीम ने 6 लोगों को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला था। उन्हें संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, वहीं, 5 अन्य लोगों को बिल्डिंग के चौथे फ्लोर से रेस्क्यू किया गया। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चला है।

आग बेसमेंट से शुरू हुई थी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के सहायक मंडल अधिकारी (ADO) पारस कुमार ने कहा, 'यह फैक्ट्री जूते-चप्पल बनाती और स्टोर करती है। आग बेसमेंट में लगी थी। फिलहाल आग पूरी तरह से बुझ गई है और कूलिंग प्रोसेस चल रहा है, अब अंदर कोई नहीं बचा है। फैक्ट्री मालिक को पूछताछ के लिए बुलाया है।

मणिपुर में मैतेई समुदाय की रैली नगा संगठनों का समर्थन

कुकी उग्रवादियों के साथ हुआ समझौता रद्द करने की मांग

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

इंफाल। मणिपुर की राजधानी इम्फाल में शनिवार को मैतेई संगठनों ने रैली निकाली। इसमें स्थानीय लोगों की सुरक्षा और कुकी उग्रवादी समूहों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (SoO) समझौता रद्द करने की मांग की गई। रैली को कई नगा संगठनों का समर्थन मिला। चंदेल और सेनापति जिलों में भी नगा संगठनों ने रैलियां निकाली। मणिपुर में मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। यह रैली मणिपुर इंटीग्रिटी के कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ने आयोजित की थी। नगा संगठनों की शीर्ष संस्था यूनाइटेड नगा काउंसिल (UNC) ने भी रैली का समर्थन किया। प्रदर्शनकारियों ने 'सेव मणिपुर' लिखे पोस्टर और तख्तियां ले रखी थीं। इनमें 'हमें शांति और न्याय चाहिए' और 'SoO समझौता रद्द करो' जैसी मांगें लिखी थीं।

कमेटी के संयोजक वाई धीरें ने कहा, हम राज्य के स्थानीय लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा में नाकाम मौजूदा सरकार का इस्तीफा चाहते हैं।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा,मणिपुर में साढ़े तीन साल के संकट के बाद नगा जनजातियां, मैतेई और मूल निवासी सरकार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत मिठाई निर्माण में गंदगी और प्रतिबंधित रसायनों के इस्तेमाल पर लिया गया एक्शन

एफएसडीए ने 6 महानगरों में चलाया विशेष अभियान

जांच

- 69 टीमों ने 116 खाद्य प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण, 149 नमूने संग्रहित और 96 सुधार नोटिस जारी
- 655 किलोग्राम खाद्य सामग्री जब्त, 537 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। त्योहारों के दौरान आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने प्रदेशव्यापी निरीक्षण अभियान तेज कर दिया है। 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत विभाग की 69 टीमों ने 6 महानगरों (कानपुर, गोरखपुर, गाजियाबाद, मेरठ, अयोध्या और प्रयागराज) में मिठाई एवं अन्य खाद्य निर्माण प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान कई प्रतिष्ठानों में स्वच्छता मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आई। कहीं तैयार मिठाइयां सीधे गंदे फर्श पर रखी मिलीं तो कहीं निर्माण स्थलों पर कॉकरोच, मक्खियां, चूहों की गंदगी और मकड़ी के जाले पाए गए। कुछ प्रतिष्ठानों में प्रतिबंधित रसायनों के इस्तेमाल और बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार संचालित किए जाने के मामले भी सामने आए। गंभीर अनियमितताओं पर विभाग ने नौ खाद्य प्रतिष्ठानों का कारोबार बंद कराया। अभियान के तहत कुल 116 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 149 खाद्य नमूने संग्रहित किए गए। अनियमितताएं पाए जाने पर 96 सुधार नोटिस जारी किए गए। कार्रवाई के दौरान 655 किलोग्राम खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका मूल्य 4,07,176 रुपये है, जबकि 537 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई, जिसका अनुमानित मूल्य 1,98,230 रुपए है।

9 खाद्य प्रतिष्ठानों का कारोबार कराया बंद

गोरखपुर में बिना लाइसेंस संचालित हो रहा था मिठाई कारखाना

गोरखपुर के धर्मशाला बाजार स्थित कामधेनु स्वीट्स के कारखाने में अत्यधिक गंदगी पाई गई। निर्माण स्थल की दीवारें टूटी हुई थीं और परिसर में मकड़ी के जालों के साथ कूड़े का ढेर मिला। जांच में प्रतिष्ठान के पास खाद्य कारोबार का लाइसेंस भी नहीं पाया गया। गोरखपुर में 15 टीमों ने 27 में से 23 इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान 17 नमूने लिए गए और 20 सुधार नोटिस जारी किए गए।

> मेरठ स्थित सम्राट स्वीट्स के निरीक्षण में प्रतिबंधित सैकरिन, कॉस्टिक सोडा और रंग के साथ गैर-खाद्य श्रेणी के सोडियम बाइकार्बोनेट के इस्तेमाल का मामला सामने आया। इसके अलावा प्रतिष्ठान की ड्रेनेज व्यवस्था खराब मिली और कीट नियंत्रण के लिए भी समुचित इंतजाम नहीं पाए गए।

कच्चा माल और तैयार मिठाइयां गंदे फर्श पर मिलीं

गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्र स्थित तिरुपति फूड्स में कच्चा माल सीधे गंदे फर्श पर रखा मिला। साहिबाबाद स्थित अग्रवाल फूड्स में भंडारण स्थल पर कॉकरोच और कीड़े पाए गए। निर्माण स्थल की दीवारें भी टूटी हुई थीं और उनसे सीमेंट झड़ रहा था। तैयार खाद्य पदार्थ भी सीधे फर्श पर रखे मिले। वहीं, नेहरू नगर स्थित शगुन स्वीट्स में पूरे परिसर में गंदगी, टूटा फर्श, अव्यवस्थित कच्चा माल और खराब ड्रेनेज सिस्टम पाया गया। गाजियाबाद में 18 टीमों ने 25 इकाइयों का निरीक्षण कर 49 नमूने लिए और 20 सुधार नोटिस जारी किए। यहां तीन प्रतिष्ठानों का कारोबार बंद कराया गया।

कानपुर में फर्श पर रखी मिलीं मिठाइयों की ट्रे

कानपुर नगर में न्यू तिवारी स्वीट्स के निर्माण स्थल पर अत्यधिक गंदगी और दुर्गंध मिली। खाद्य पदार्थों का भंडारण भी अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था। तैयार मिठाइयों की ट्रे सीधे फर्श पर रखी मिलीं। वहीं, लाला दयाराम स्वीट्स के परिसर में मकड़ी के जाले और कालिख पाई गई। कारखाने में समुचित सफाई के बिना मिठाइयों का निर्माण किया जा रहा था। ड्रेनेज व्यवस्था भी जाम मिली, जिससे खाद्य पदार्थों में बाहरी तत्वों से संदूषण की आशंका थी। यहां 12 टीमों ने 20 में से 19 इकाइयों का निरीक्षण कर 26 नमूने लिए और 16 सुधार नोटिस जारी किए।

फास्ट न्यूज

जातिवाद और क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती

लखनऊ। लखनऊ में सीएम योगी ने शनिवार को कहा कि जातिवाद, क्षेत्रवाद और भाषावाद राष्ट्रीय एकता के लिए बड़ी चुनौती हैं। समाज को इनसे ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना होगा। यही सरदार पटेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हजरतगंज स्थित जीपीओ पार्क में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई।

12 दरोगा लापरवाह, लाइन हाजिर किए गए

लखनऊ । लखनऊ के 12 दरोगा अपने कामों में लापरवाही के चलते लाइन हाजिर कर दिए गए। शनिवार को पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने यह कार्रवाई की। साथ ही उन्होंने इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई का आदेश भी दिए है। दरोगा जन शिकायतों और IGRS मामलों के निस्तारण पर काम नहीं कर रहे थे। पुलिस कमिश्नर ने पहले भी सभी थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों को जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिकायतकर्ताओं को थाने और चौकी से ही राहत मिलनी चाहिए।

राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया

लखनऊ। लखनऊ में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की ओर से सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना विकसित करने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

काले कपड़ों में नर्सों का प्रदर्शन सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया

बोली- कागजों पर हो रहा महिलाओं का सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शनिवार को नर्सों ने काला कपड़ा पहनकर 2 घंटे कार्य बहिष्कार करके विरोध प्रदर्शन किया। नर्सों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और वादा खिलाफी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिर्फ कागजों पर महिलाओं का सम्मान किया जा रहा है।

नर्सों ने कहा कि बीते 23 दिनों से अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन और संघर्ष कर रहे है मगर सुनवाई नहीं हुई। नर्सेस पांच सूत्रीय मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। इसमें गृह जनपद में तैनाती और प्रमोशन समेत कई मांगे शामिल हैं।

प्रदर्शन कर रही राजकीय नर्सेस संघ कि कोषाध्यक्ष गीतांशु वर्मा ने कहा कि पिछले 23 दिनों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महिला सम्मान की बात करते हैं। मगर यह कैसा सम्मान है कि

महिलाओं कि आवाज को 23 दिनों से नजर अंदाज किया जा रहा है , अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करना पड़ रहा है चीखना-चिल्लाना पड़ा रहा है।

उन्होंने कहा कि ये बेहद अफसोसनाक है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को हमारी मांगे दिखाई नहीं पड़ रही है। यह मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के लिए शर्मनाक है की पांच सूत्री मांगों के लिए हमें हमें धूप बरसात सब में खड़ा होना पड़ रहा है, प्रदर्शन करना पड़ रहा है। नारी सशक्तिकरण की बात करने वाली सरकार के लोग कहां है। क्या महिलाओं को अधिकार और सम्मान सिर्फ कागजों पर ही मिलेगा।

जनगणना कार्य के लिए लगाए जाएंगे 10,467 प्रगणक एवं सुपरवाइजर, 05 से 09 जनवरी तक चलेगा पुनरीक्षण कार्य

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न
- 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना, 01 दिसंबर से 04 जनवरी तक घर-घर होगी जनसंख्या गणना
- प्रत्येक व्यक्ति की गणना सुनिश्चित करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जिलाधिकारी श्री विशाख जी की अध्यक्षता में आज जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना की तैयारियों, निर्धारित समय-सारिणी एवं कार्ययोजना के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य को निर्धारित समयावधि में सुचारु, व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद में 16 नवंबर से 30 नवंबर, 2026 तक स्वगणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके उपरांत 01 दिसंबर, 2026 से 04 जनवरी, 2027 तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 05 से 09 जनवरी, 2027 तक पुनरीक्षण राउंड का कार्य संपन्न होगा। जनपद में इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए कुल 10,467 प्रगणक एवं सुपरवाइजर लगाए जाएंगे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रफुल्ल शर्मा, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्री रामजी मिश्र तथा उप निदेशक, जनगणना डॉ. गौरव पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों, स्वगणना की प्रक्रिया, प्रगणकों की तैनाती तथा जनसंख्या गणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी गई।

आमजन को स्वगणना की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही

जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना-2027 में आमजन को स्वगणना की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिसके अंतर्गत परिवार के सदस्य 16 से 30 नवंबर, 2026 तक निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। स्वगणना के दौरान ऑनलाइन विवरण प्रस्तुत करने के उपरांत एक विशिष्ट पहचान संख्या प्राप्त होगी। परिवार को यह संख्या अपने घर आने वाले प्रगणक को उपलब्ध करानी होगी, ताकि प्रगणक उसके आधार पर दर्ज विवरण का सत्यापन कर सकें।

यूपी एसटीएफ ने लखनऊ में 7 बाज बरामद किए, मुंबई होकर खाड़ी देशों तक तस्करी

1.40 करोड़ के बाजों की तस्करी करने वाला आदमी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी एसटीएफ और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB) की संयुक्त टीम ने शनिवार को लखनऊ से 7 बाज बरामद किए हैं। दूसरे देशों तक तस्करी करने वाले गिरोह से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान मुंबई के भायखला निवासी फिरोज मसर्रत खान के रूप में हुई है।

उसे मदेयगंज थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। बरादम किए गए बाजों (फाल्कन) की अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 14 करोड़ रुपए कीमत बताई जा रही है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि मुंबई होकर खाड़ी देशों में इसकी तस्करी की जाती है। एसटीएफ के मुताबिक, प्रदेश में संरक्षित वन्यजीवों की तस्करी करने वाले गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिल रही थी। इस पर एसटीएफ की कई टीमों को जानकारी जुटाने और कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव की टीम के एसआई फैजुद्दीन सिद्दीकी के नेतृत्व में एक टीम लखनऊ में सक्रिय थी। इसी दौरान सूचना मिली कि मुंबई का एक तस्कर प्रतिबंधित प्रजाति के वन्यजीव लेकर लखनऊ आने वाला है। एसटीएफ ने इसकी जानकारी WCCB की लखनऊ टीम से साझा की। इसके बाद संयुक्त कार्रवाई कर आरोपी को मदेयगंज के इरादतनगर से गिरफ्तार कर लिया।

- वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत संरक्षित पक्षियों या जानवरों की तस्करी या शिकार करना गंभीर अपराध माना गया है।

मुंबई के रास्ते विदेशों तक पहुंचाते थे वन्यजीव

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ऐसे गिरोह से जुड़ा है, जिसके सदस्य गोरखपुर, लखीमपुर खीरी और सीतापुर के जंगलों से संरक्षित पक्षियों और वन्यजीवों को इकट्ठा करते हैं। इसके बाद इन्हें मुंबई के रास्ते दुबई, सऊदी अरब और बहरीन भेजा जाता है। एसटीएफ के मुताबिक, गिरोह बाघ, तेंदुआ, हाथी, गैंडा और काला हिरण जैसी संरक्षित प्रजातियों की तस्करी में भी शामिल है।

अनुसूची-1 के जीवों को सबसे अधिक कानूनी संरक्षण

वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत अनुसूची-1 में शामिल प्रजातियों को सबसे उच्च स्तर का कानूनी संरक्षण दिया गया है। इनमें बाघ, तेंदुआ, हाथी, गैंडा, काला हिरण और फाल्कन जैसी प्रजातियां शामिल हैं। इनका शिकार करना या इनका अवैध कारोबार करना गंभीर अपराध है। एसटीएफ और WCCB की टीम आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और तस्करी के नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

अकेली रह रही बुजुर्ग को मारने वाले पकड़े गए

लखनऊ में सिर पर मूसल से हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में 65 साल की बुजुर्ग महिला की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने पूर्व नौकरानी समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। चौथी आरोपी नाबालिग है। आरोपियों ने बुजुर्ग के अकेली होने का फायदा उठाकर साजिशन उनकी हत्या कर करीब 50 लाख के जेवर पार कर दिए थे। डीपी सेंट्रल अर्पित विजयवर्गीय ने बताया- आशियाना के सेक्टर - के निवासी नीरा गुप्ता (65) अकेली रहती थीं। उनके पति एच.आर. गुप्ता जो पंजाब एंड सिंध बैंक से रिटायर्ड थे। उनका एक साल पहले निधन हो चुका है। गाजियाबाद में रह रही मृतका की भतीजी श्वेता ने लगातार फोन करने पर भी जब बुआ का फोन नहीं उठा, तो उन्होंने लखनऊ के इंदिरा नगर में रह रहे अपने चचेरे भाई अनुभव को फोन कर बुआ का हाल जानने के लिए भेजा। भतीजा अनुभव बुधवार दोपहर करीब 2 बजे आशियाना स्थित आवास पर पहुंचा, तो मकान का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी खटखटाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला, तो अनुभव ने पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची आशियाना पुलिस ने धक्का देकर दरवाजा खोला, तो मृतका फर्श पर सिर के बल मृत अवस्था में पड़ी थीं और उनके सिर से खून निकल रहा था। पुलिस ने शव का पंचायतनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रिपल मर्डर में फरार आरोपी राजेश शुक्ला हुआ गिरफ्तार

चबूतरे के विवाद में हुई थी हत्या, मुख्य आरोपी ऋषभ की बहन की तलाश जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के सहादतगंज थाना क्षेत्र में ट्रिपल मर्डर के आरोप में फरार चल रहे चाचा राजेश शुक्ला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से फरार था। घटना का मुख्य आरोपी ऋषभ शुक्ला की बहन की तलाश जारी है। मामले में अब तक सात लोगों को पकड़ा जा चुका है। बता दें चबूतरे के विवाद में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी।

फुफेरे भाई मनोज अवस्थी ने कहा घटना के आरोपियों के घर की दीवार गिराकर खानापूर्ति की गई है। अगर आरोपियों के पूरे घर नहीं गिराए गए तो परिवार मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा। उन्हें अपनी पीड़ा बताएगा। मुख्यमंत्री से कहेंगे कि परिवार में अब कोई पुरुष नहीं बचा है। ऐसे में परिवार के पालन-पोषण की जिम्मेदारी वे संभालें। हम लोग उन्हीं की चौखट पर बैठ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि आरोपी राजेश शुक्ला पहले जिला बदर रह चुका है और अब फरार है। उससे परिवार को खतरा है। वह कभी भी दोबारा हमला कर सकता है। पुलिस को उसे तत्काल गिरफ्तार करना चाहिए।

जिस परिवार को करीब 50 साल पहले पूर्वजों ने अपनी कॉलोनी में पनाह दी, उसे 10 साल तक बिना किराया लिए घर में रखा। दोनों परिवारों के बच्चे साथ पले-बढ़े। एक-दूसरे के पिता को चाचा और मां को चाची कहते थे। घरों के बीच इतनी आत्मीयता थी कि रसोई तक में आना-जाना था। लेकिन बरगद के पेड़ के पास चंद कदम जमीन पर कार खड़ी करने को लेकर ऐसा विवाद हुआ कि छह महीने में सबकुछ बदल गया। जिस परिवार के साथ तीन पीढ़ियों ने सुख-दुख बांटे, उसी परिवार पर तीन लोगों की हत्या का आरोप है। सआदतगंज के ब्राह्मण टोला में सोमवार सुबह कार पार्किंग और चबूतरे को लेकर ऋषभ शुक्ला (30) ने 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

मंथन: सुलह-समझौते और संवाद के जरिए बिना कोर्ट फीस के आमजन को न्याय दिलाना मूल उद्देश्य

राज्य स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

- उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण: स्थायी लोक अदालतों के अध्यक्षों व सदस्यों हेतु राज्य स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित
- जन उपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों के त्वरित, सुलभ व किफायती निस्तारण में स्थायी लोक अदालतों की भूमिका महत्वपूर्ण: न्यायमूर्ति आलोक माथुर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त तथा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं कार्यपालक अध्यक्ष (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण-नालसा) न्यायमूर्ति विक्रम नाथ के संरक्षण में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा मुख्य संरक्षक (उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण) न्यायमूर्ति अरूण भंसाली एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश तथा कार्यपालक अध्यक्ष (उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण) न्यायमूर्ति अरिन्दम सिन्हा के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को राजधानी के स्पंदन सभागार में राज्य स्तरीय अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह विशेष कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की समस्त स्थायी लोक अदालतों के अध्यक्षों एवं सदस्यों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (UPSLSA) द्वारा आयोजित किया गया।

न्यायमूर्ति माथुर ने रेखांकित किया कि सुलह की प्रक्रिया किसी तयशुदा अथवा औपचारिक खांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर संवाद, आपसी समझ और सौहार्दपूर्ण समाधान की भावना पर टिकी है। उन्होंने स्थायी लोक अदालतों के अध्यक्षों एवं सदस्यों का आह्वान किया कि वे अनिवार्य सुलह की प्रक्रिया का निर्वहन करते समय पूरी तरह निष्पक्ष, संवेदनशील और पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाएं, जिससे पक्षकारों का न्याय व्यवस्था पर अटूट विश्वास बना रहे।

> कार्यक्रम में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खण्डपीठ के न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक माथुर ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति आलोक माथुर ने अपने संबोधन में वैकल्पिक विवाद समाधान संस्थाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्थायी लोक अदालतें आम नागरिकों के जीवन से सीधे जुड़ी जन उपयोगी सेवाओं (Public Utility Services) के विवादों को सुलझाने का एक सशक्त और प्रभावी माध्यम हैं।

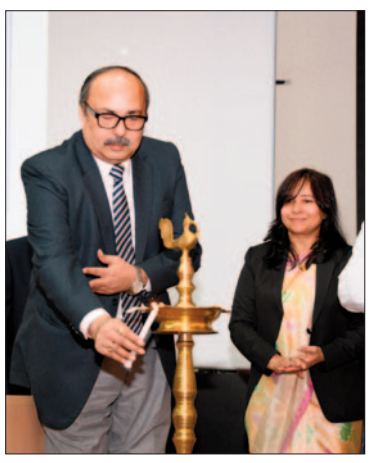

पीलीभीत से एक दिन पहले हटाए गए थे, 13150 वोटों की गड़बड़ी का मामला

2 एसडीएम वेटिंग लिस्ट में डाले गए, नई तैनाती रद्द

जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। पीलीभीत में मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप में हटाए गए SDM मयंक गोस्वामी और हेमंत चौधरी की नई पोस्टिंग भी रद्द कर दी गई है। दोनों अधिकारियों को अब वेटिंग लिस्ट में डाल दिया गया है। जबकि शुक्रवार शाम 7 बजे जारी ट्रांसफर लिस्ट में उन्हें लखनऊ में तैनाती दी गई थी।

लिस्ट के मुताबिक, मयंक गोस्वामी को लखनऊ स्थित चकबंदी मुख्यालय में बंदोबस्त अधिकारी (चकबंदी) और हेमंत चौधरी को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन

डीएम आलोक कुमार ने कहा- SDM के खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है।

प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी बनाया गया था। वहीं, उनकी जगह मंधाता प्रताप सिंह और अजय कुमार को पीलीभीत में SDM की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

दरअसल, 21 अक्टूबर को कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने आरोप लगाया था कि पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में 13,150 मुस्लिम मतदाताओं के EPIC नंबर एक जैसे हैं, लेकिन उनके नाम और पिता के नाम बदल दिए गए हैं। आरोप था कि मतदाताओं के असली नाम हटाकर उनकी जगह दूसरे नाम दर्ज किए गए हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने 21 अक्टूबर 2026 को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

सुप्रिया ने कहा- यह सब एक सॉफ्टवेयर के जरिए किया जा रहा है, जिसका एक्सेस जिला स्तर के अधिकारियों (DM/SDM) तक को नहीं दिया गया।

शिकायतें सामने आने के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने पीलीभीत की सभी विधानसभा सीटों की वोटर लिस्ट की जांच करने और दो दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जहां भी वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की शिकायत मिलेगी, वहां जांच कराई जाएगी।

उन्होंने पीलीभीत की मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा- बदलाव एक खास पैटर्न के तहत मुख्य रूप से मुस्लिम पुरुष मतदाताओं के नामों में किए गए हैं। इससे परिवार के पुरुष मुखिया वोट डालने नहीं जा पाएंगे और इसका असर परिवार की महिलाओं के मतदान पर भी पड़ सकता है। सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया था कि पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में बिना निर्धारित प्रक्रिया के 2,600 नए वोटर जोड़े गए, जबकि 804 मतदाताओं के नाम काट दिए गए।

प्रक्रिया बंद थी, तब नाम जोड़े गए और हटाए गए

सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि 10 अप्रैल, 2026 को यूपी की फाइनल SIR ड्राफ्ट सूची जारी हुई थी। इसमें करीब 2 करोड़ 4 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए। पीलीभीत सदर में कुल 3,48,937 मतदाता हैं।

अप्रैल में ड्राफ्ट सूची जारी होने और प्रक्रिया बंद होने के बाद भी जुलाई से सितंबर के बीच मतदाताओं के नाम हटाए गए और नए नाम जोड़े गए। जबकि, उस दौरान फॉर्म-6 और फॉर्म-7 की प्रक्रिया नहीं चल रही थी। उन्होंने दावा किया कि सॉफ्टवेयर के जरिए एक पैटर्न के आधार पर ये बदलाव किए गए। शाम 7:19 बजे कई नाम बदले गए, फिर इसके ठीक एक मिनट बाद (7:20 बजे) सैकड़ों नामों में अचानक बदलाव कर दिया गया। सवाल यह है कि अगर सॉफ्टवेयर के जरिए इस तरह की गड़बड़ी हुई, तो आम मतदाता अपनी शिकायत लेकर कहां जाए?

आगरा पुलिस लाइन में महिला कांस्टेबल ने किया सुसाइड

एक महीने से छुट्टी पर थी, दो दिन से कमरे से नहीं निकली थी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा के पुलिस लाइन में रहने वाली महिला कांस्टेबल ने सुसाइड कर लिया। शनिवार को कांस्टेबल का शव कमरे में लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया है कि सुसाइड नोट भी छोड़ा है। आगरा के एसीपी कार्यालय में तैनात महिला कांस्टेबल आरती पुलिस लाइन में रहती थी। बताया गया है कि आरती ने एक महीने की छुट्टी ले रखी थी। 4 नवंबर को उसे ड्यूटी पर वापस जाना था। शनिवार सुबह काफी देर तक जब आरती अपने कमरे से बाहर नहीं निकली तो पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया। काफी देर तक अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो पुलिस को सूचना दी। दरवाजा तोड़ने पर अंदर देखा तो आरती का शव फंदे

से लटका था। शव को फंदे से उतारा। आरती 2018 बैच की सिपाही थी। वो मूल रूप से उन्नाव की रहने वाली थी। अभी उसकी शादी नहीं हुई थी। बताया गया है कि वो अवसाद में थी। छुट्टी लेने के बाद वो अपने कमरे में ही रहती थी। करवाचौथ के दिन पड़ोसियों ने उसे देखा था, इसके बाद से वो कमरे में ही थी। एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह ने बताया कि मृतका के परिजनों को सूचना दे दी गई है। सुसाइड के कारणों के बारे में पता किया जा रहा है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

फास्ट न्यूज

ऑनलाइन मुशायरे में गूंजी उर्दू शायरी

अंबेडकरनगर। उर्दू अदब की खिदमत और शायरों को मंच देने के उद्देश्य से बज़्म अरमुगान-ए-अदब की ओर से शुक्रवार रात 65वें ऑनलाइन तरही मुशायरे का आयोजन किया गया। खालिद आजम की सरपरस्ती और शिक्षक मोहम्मद असलम खान की सदारत में हुई महफिल की निजामत तारिक मुस्तफा ने की। कार्यक्रम का आगाज तारिक मुस्तफा इल्तिफातगंजवी की नात-ए-पाक से हुआ।

बारिश की रात जेल पहुंचीं डीएम-एसपी

अंबेडकरनगर। शुक्रवार देर शाम बारिश के बीच जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह जिला कारागार पहुंच गईं। बिना पूर्व सूचना हुए इस आकस्मिक निरीक्षण में दोनों अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, परिसर की स्वच्छता और अन्य इंतजामों को परखा। निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधित सामग्री के प्रवेश पर रोक को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने साफ निर्देश दिया कि कारागार के भीतर किसी भी दशा में प्रतिबंधित सामग्री नहीं पहुंचनी चाहिए। इसके लिए प्रवेश के स्तर पर प्रभावी जांच और निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

सरदार पटेल जयंती पर अस्पताल पहुंचीं डीएम

अंबेडकरनगर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शनिवार को जिला चिकित्सालय के एमसीएच विंग पहुंचकर मरीजों का हाल जाना। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार के साथ उन्होंने भर्ती मरीजों को फल वितरित किए और उनसे उपचार, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में सीधे जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में 90 ओपीडी दर्ज मिलीं और 46 रक्त नमूनों की जांच हो चुकी थी।

टांडा में जयंती समारोह के बहाने राष्ट्र की एकता और सुरक्षा पर चर्चा

रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर सरदार पटेल ने गढ़ा अखंड भारत : ओपी राजभर

प्रभारी मंत्री बोले- देश को अस्थिर करने की कोशिशों से सतर्क रहने की जरूरत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आजाद भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती सैकड़ों रियासतों को एकजुट कर मजबूत राष्ट्र का निर्माण करना था। सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, राजनीतिक कौशल और दूरदर्शी नेतृत्व से इस चुनौती को अवसर में बदला। उन्होंने रियासतों का भारत में विलय कर देश की एकता और अखंडता की मजबूत नींव रखी। सोमनाथ मंदिर के भव्य पुनर्निर्माण के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश भी दिया। यह बातें प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहीं। वह शनिवार को टांडा के पुंथर स्थित मौर्य मैरिज लॉन में सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। राजभर ने कहा कि वर्तमान समय में देश के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। इनका मुकाबला करने के लिए समाज को एकजुट रहना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी शक्तियां विघटनकारी तत्वों को आर्थिक मदद देकर देश में अस्थिरता फैलाने का षड्यंत्र कर रही हैं।

माल्यार्पण के साथ हुई शुरुआत, वक्ताओं ने रखे विचार

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता पारसनाथ चौधरी ने की। शुरुआत सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ भाजपा नेता रुद्र प्रसाद उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष मनोज मिश्रा, जिला मंत्री आकाश वर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य बाबूराम राजभर, रामधनी वर्मा, स्वादेश गौतम, सूर्यकांत वर्मा और नारद विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया।

पटेल की दृढ़ इच्छाशक्ति से मिली राष्ट्र को एकता की ताकत

जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सरदार पटेल बचपन से ही दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत संकल्प के लिए पहचाने जाते थे। आजादी के बाद उन्होंने देश की एकता को सर्वोपरि रखते हुए रियासतों को भारत में शामिल कराने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके प्रयासों ने नए भारत को एक मजबूत आधार दिया। राजभर ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का भव्य निर्माण भी देश की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को संवारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था। भारत अब किसी के सामने झुकने या दबने वाला देश नहीं है।

पांच किलोमीटर की दौड़ में दिखा दम, 'रन फॉर यूनिटी' से दिया एकता का संदेश

वेस्ट्रीज हिल्टन स्कूल की मैराथन में 100 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शनिवार को वेस्ट्रीज हिल्टन स्कूल मकोइया की ओर से पांच किलोमीटर की 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन आयोजित की गई। इसमें कक्षा पांच से 12 तक के करीब 100 छात्र-छात्राओं ने दौड़ लगाकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। पिपरा चौराहे से मकरही हवेली तक आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसखारी ब्लॉक प्रमुख कुंवर नरेंद्र मोहन उर्फ संजय सिंह और विशिष्ट अतिथि रुद्र प्रताप सिंह रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहसिन खान ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद

अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में सूर्यांश अग्रहरि ने पहला, आदित्य कुमार ने दूसरा और अंकुर पासवान ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्रा वर्ग में सोनाक्षी प्रथम, खतीजा खान द्वितीय और खुशी तृतीय स्थान पर रहीं। मुख्य अतिथि संजय सिंह ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। 'रन फॉर यूनिटी' का उद्देश्य सरदार पटेल के एकता और अखंडता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। खेलों से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

प्रधानाचार्य मोहसिन खान ने बताया कि विद्यालय में पिछले सात वर्षों से लगातार मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है।

कार्यक्रम में मोहम्मद अशरफ, रमन कुमार, अमित कन्नौजिया, अश्वनी कुमार, जिलानी सहित विद्यालय के शिक्षक और अन्य लोग मौजूद रहे।

बोनस और सैलरी बढ़ाने की मांग, मजदूरों ने काम रोका

मिर्जा इंटरनेशनल कंपनी के बाहर प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में उन्नाव-शुक्लागंज मार्ग स्थित मिर्जा इंटरनेशनल कंपनी के बाहर शनिवार दोपहर करीब 2 बजे मजदूरों ने प्रदर्शन किया। 100 से अधिक कर्मचारियों ने बोनस और वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर कंपनी का घेराव किया। इस दौरान कर्मचारियों ने काम करने से इनकार कर दिया।

कर्मचारियों का कहना है कि दीपावली नजदीक है, लेकिन कंपनी की ओर से अब तक बोनस नहीं दिया गया है। त्योहार पर बोनस मिलने से परिवार की जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है। कर्मचारियों ने बोनस देने के साथ ही वेतन बढ़ाने की मांग भी उठाई।

प्रदर्शन के चलते उन्नाव-शुक्ला-गंज मार्ग पर जाम लगने की आशंका

दीपावली पर बोनस नहीं मिलने से नाराज कर्मचारी

थी। इसे देखते हुए स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर नजर रखी, ताकि यातायात प्रभावित न हो।

कर्मचारियों की मांगों को लेकर कंपनी प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बोनस देने, वेतन बढ़ाने और कर्मचारियों की अन्य मांगों पर प्रबंधन का रुख स्पष्ट नहीं हो सका है।

नशीला पदार्थ सुंघाकर गहने चुराने वाला गैंग पकड़ाया

कार्रवाई

गिरोह का नेटवर्क दिल्ली-हरियाणा और उत्तराखंड तक फैला था

तमसा संकेत, संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव में बाजार से घर लौट रही महिलाओं को बातों में उलझाकर उनके गहने चुराने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बांगरमऊ पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने शनिवार को बांगरमऊ-बिल्हौर मार्ग पर कल्याणी नदी पुल के पास चार पुरुषों और एक महिला को पकड़ा। आरोपियों के पास से सोने की दो चेन, तीन अंगूठियां, दो मंगलसूत्र या पेंडल और कान के चार आभूषण बरामद हुए हैं।

शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे सीओ बांगरमऊ हर्ष मोदी ने बताया कि बरामद गहने उन्नाव और फर्रुखाबाद में टप्पेबाजी की तीन घटनाओं से जुड़े हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरोह महिलाओं को निशाना बनाता था।

आरोपी अपने साथ एक महिला रखते थे, ताकि किसी को उन पर शक न हो। वे महिलाओं को बातचीत में उलझाकर और बहलाकर उनके गहने चुरा लेते थे।

बांगरमऊ में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान पुलिस को गिरोह के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बैंक की सीढ़ियों के पास महिला को बनाया था निशाना

दिल्ली के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं आरोपी

ग्राम छोटी जमुनिहा बंगर निवासी छेदाना उर्फ कुसमा ने 28 अक्टूबर को बांगरमऊ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 18 अक्टूबर को बांगरमऊ बाजार से घर लौटते समय बैंक ऑफ इंडिया की सीढ़ियों के पास एक महिला और तीन पुरुष उनके पीछे लग गए।

शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने उन्हें बातों में उलझाया और नशीला पदार्थ सुंघाया। इसके बाद उनके हाथ से तीन अंगूठियां और पर्स में रखी सोने की चेन व पेंडल निकाल लिए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरीश उर्फ कालिया, रवि राठौर, प्रेम राठौर, प्रेम सोलंकी और देवी उर्फ गुड़िया के रूप में हुई है।

उत्तराखंड, हरियाणा और दिल्ली में भी दर्ज हैं मुकदमे

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, कुछ आरोपियों के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड में भी मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने अन्य जिलों में कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। इसके लिए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और अन्य जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

डेंगू-मलेरिया के मरीज मिलते ही सात दिन तक चलेगा विशेष अभियान

डीएम ईशा प्रिया के निर्देश पर फॉगिंग और एंटी लार्वा छिड़काव होगा तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। डेंगू और मलेरिया के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई की रणनीति बनाई है। किसी भी इलाके में मरीज मिलने पर वहां सात दिन तक विशेष एंटी लार्वा छिड़काव और फॉगिंग अभियान चलाया जाएगा। पहले से चिह्नित हाई रिस्क क्षेत्रों में भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने स्वास्थ्य और पंचायती राज विभाग को आपसी समन्वय से निरोधात्मक गतिविधियां तेज करने को कहा है।

कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की तीसरी जनपद स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार की मौजूदगी में एक से 31 अक्टूबर तक चल रहे संचारी रोग नियंत्रण

अभियान और 12 से 31 अक्टूबर तक आयोजित दस्तक अभियान की प्रगति परखी गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पंचायती राज, नगर विकास, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कृषि, पशुपालन और स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा में पंचायती राज विभाग की ओर से झाड़ियों की कटाई और सफाई में 98.47 प्रतिशत तथा नालियों की सफाई में 98.18 प्रतिशत प्रगति बताई गई। ग्रामसभा और पंचायत बैठकों के आयोजन में भी 97.33 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया गया है।

कार्यक्रम : जयंती पर डीएम ईशा प्रिया ने दिलाई एकता-अखंडता की शपथ

कलेक्ट्रेट से पुलिस थानों तक गूंजा राष्ट्रीय एकता का संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शनिवार को अंबेडकरनगर में राष्ट्रीय एकता का संदेश सरकारी कार्यालयों से लेकर पुलिस थानों और शिक्षण संस्थानों तक पहुंचा। कलेक्ट्रेट में अधिकारियों-कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली तो पुलिसकर्मियों ने भी आपसी सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण और

पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। सभी ने राष्ट्र की एकता-अखंडता अक्षुण्ण रखने और देश की आंतरिक सुरक्षा में अपनी भूमिका पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लिया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में जिले के पुलिस कार्यालयों और थानों में भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुए। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के साथ समाज में भाईचारा और सद्भाव कायम रखने का संकल्प लिया। पुलिस विभाग ने आमजन से भी राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत करने की अपील की।

पुलिस ने भी दोहराई राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा की प्रतिबद्धता

विद्यालयों में प्रदर्शनी से विद्यार्थियों तक पहुंचा सरदार पटेल का संदेश

प्रशासनिक जिम्मेदारी में भी दिखे सरदार पटेल के आदर्श

जिलाधिकारी ने कहा कि सरदार पटेल का दृढ़ संकल्प, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करना ही उनके विचारों को व्यवहार में उतारने का माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों से इन आदर्शों को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

तहसीलों और सरकारी कार्यालयों में सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम आयोजित किए गए। लखनऊ के जीपीओ स्थित पटेल पार्क में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का विभिन्न कार्यालयों में सजीव प्रसारण किया गया। विद्यालयों में भी विद्यार्थियों को सरदार पटेल के जीवन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से परिचित कराया गया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अकबरपुर में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता विषय पर प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए।

टांडा पुलिस की दबिश, न्यायालय से वांछित चार वारंटी गिरफ्तार

सात से 17 साल पुराने मामलों में नहीं हो रहे थे पेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुराने मामलों में न्यायालय की पेशी से बच रहे चार वारंटियों को टांडा पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चारों को पकड़ा। इनमें तीन वारंटी धौरहरा गांव के और एक शेखपुर आलमपुर का निवासी है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में धौरहरा निवासी चिंताहरण, रामसूरत और मयाराम शामिल हैं। तीनों के खिलाफ वर्ष 2019 के एक मामले में मारपीट, चोट पहुंचाने, गाली-गलौज, धमकी देने और उपद्रव करने के आरोप थे। वहीं, शेखपुर आलमपुर निवासी डब्लू उर्फ विजय कुमार को वर्ष

2009 के एक पुराने मामले में जारी वारंट के अनुपालन में गिरफ्तार किया गया। उस पर भी मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप हैं। पुलिस टीम ने चारों को उनके निवास स्थानों से गिरफ्तार किया। उन्हें न्यायालय से जारी वारंट की जानकारी देते हुए नियमानुसार कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर सभी को संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

सम्पादकीय

एक बड़ी सफलता

विश्व बैंक की निर्धनता एवं समानता संबंधी रिपोर्ट का यह तथ्य भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि का सूचक है कि 2011 से 2023 के बीच देश में लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले। जहां अत्यधिक निर्धन वर्ग के लोगों की संख्या में करीब 25 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई और अब ऐसे लोगों की संख्या मात्र 2.6 प्रतिशत रह गई है, वहीं निम्न मध्यम आय वर्ग के लोगों की संख्या में भी खासी गिरावट आई है।

चूंकि 2011 से 2023 के कालखंड में मोदी सरकार के कार्यकाल की हिस्सेदारी अधिक है, इसलिए स्वाभाविक रूप से निर्धनता को दूर करने में जो सफलता मिली, उसका श्रेय उसके खाते में कहीं अधिक जाएगा। निर्धनता में कमी का प्रमुख कारण खपत में वृद्धि, रोजगार और विशेष रूप से महिलाओं के रोजगार में बढ़ोतरी के साथ खाद्य सब्सिडी जैसे कार्यक्रम और सामाजिक कल्याण की कई योजनाएं हैं।

वैसे तो गरीबी हटाओ के नाम पर सभी सरकारें निर्धनता दूर करने की योजनाएं चलाती रही हैं, लेकिन इन योजनाओं को जितने प्रभावी ढंग से मोदी सरकार ने चलाया और उन्हें जमीन पर उतारा, वह एक मिसाल है। मोदी सरकार ने विकास के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में जैसी सफलता हासिल की है, वैसी पिछली सरकारें नहीं कर सकीं। जिन जनकल्याणकारी योजनाओं ने निर्धनता निवारण में विशेष रूप से योगदान दिया, उनमें जन-धन, आवास, शौचालय, बिजली, हर घर को नल से जल जैसी योजनाएं तो शामिल हैं ही, इसके अतिरिक्त मुद्रा एवं आयुष्मान योजना ने भी निर्धनता निवारण में एक बड़ी भूमिका निभाई। इसी तरह मुफ्त खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम ने भी निर्धन लोगों को बड़ा सहारा दिया। जहां कुछ जनकल्याणकारी योजनाओं ने निर्धन लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया, वहीं कुछ ने उन्हें अपनी आय बढ़ाने के अवसर भी प्रदान किए। ऐसे अवसर विकास की योजनाओं और विशेष रूप से बुनियादी ढांचे के निर्माण संबंधी योजनाओं ने भी उपलब्ध कराए। निर्धनता में लगातार कमी आने के पीछे भारत की अर्थव्यवस्था का पिछले अनेक वर्षों से सबसे तेज गति से बढ़ना भी रहा। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भारत गरीबी से लड़ने में इसके बावजूद सक्षम रहा कि उसे कोविड महामारी का भी सामना करना पड़ा। वैसे तो इस महामारी का सामना पूरे विश्व ने किया, लेकिन इस तथ्य को ओझल नहीं किया जाना चाहिए कि भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश है। निश्चित रूप से विश्व बैंक की रिपोर्ट निर्धनता निवारण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रकट करने वाली है, लेकिन सरकार को गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसरों की कमी, आय में असमानता, युवा बेरोजगारी में वृद्धि और श्रम उत्पादकता में कमी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए भी तैयार रहना होगा।

संतोष और असंतोष का हो विवेक

हम मानव के भीतर अनेक वृत्तियां होती हैं । मनुष्य के भीतर क्रोध, अहंकार, माया, लोभ आदि के रूप में वृत्तियां विद्यमान रहती हैं । जैन वांगमय में दस प्रकार की संज्ञाएं बताईं गईं हैं । कईं मनुष्य वीतराग अर्थात् अक्रोध, अमान, अमाया, अलोभ बन जातें हैं । सामान्य मनुष्य में क्रोध , अहंकार, माया और लोभ की वृत्ति उदय अथवा उत्तेजित रूप में कम या अधिक हो सकती हैं, परंतु इन वृत्तियों की सत्ता बनी ही रहती हैं । सुख की बहुत विशाल परिभाषा हैं । सुख धन में ही होता तो सुख की खातिर क्यो साधु- साध्वी आदि सर्वत्र राज पाठ त्याग करते वह असार में जातें । तपस्वी तप में सुख क़हतें हैं । साधक साधना में सुख कहतें हैं । त्यागी त्याग में सुख कहतें हैं । स्वाध्यायी ज्ञान में सुख कहतें हैं । ये तीनो काल में सुख अबाध हैं । हमारी इच्छा पर अंकुश से तो सब धनवान होते हैं । वह यह चाहत में सन्तोष मान कर हम अपने अंतर सम बाहर नम दिलो पर राज करेंगे । वह स्वयं पर काबु करेंगे । धन सुख का कारण नही हैं । धन दुःख का कारण नही हैं । हमारे में जब विवेक का नाश होता हैं तो कषायों का संचार होता हैं । वह जब मानव मन का गुलाम हो जाता हैं तब प्राणी को दुःख होता हैं । लोभ को पाप का बाप कहा गया हैं । वह बहुत से पापों का कारण लोभ ही होता हैं ।मनुष्य के मन में लालसा और कामना उत्पन्न हो जाती हैं । वह जब यह कामना भौतिक पदार्थों अथवा भौतिक उपलब्धियों की होती हैं , तो यह कामना दुःख का कारण भी बन जाती हैं । मनुष्य के भीतर कामना का शल्य होता हैं । वह यदि व्यक्ति की कामना पूर्ण नहीं होती हैं तो उसके भीतर के चुभन बनी रहती है और वह दुःखी हो जाता हैं । यह कामनाओं का संसार हैं वह इसलिए हम मनुष्य को अपनी कामनाओं को सही से संतुलित रखना चाहिए । वह संतोषी व्यक्ति सदा सुखी रहता हैं । पंडित और ज्ञानी व्यक्ति अपने जीवन में संतोष को धारण कर लेता हैं। संतोष को परम सुख कहा गया हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

मुट्ठी भर अमीरों की कीमत चुका रही हैं पूरी दुनिया

> 66 इस संकट का सबसे भयावह पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करने लगी हैं। बाढ़ एक ही समय में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब की झोपड़ी तक पहुंचती है, लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं।

दुनिया आज एक ऐसे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है, जहां एक ओर विकास, समृद्धि और आधुनिकता के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबी, भुखमरी, हिंसा, विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश की चुनौतियां लगातार विकराल होती जा रही हैं। प्रश्न यह है कि जब दुनिया के पास पर्याप्त संसाधन हैं, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व प्रगति की है, तब भी करोड़ों लोग जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय संस्था ऑक्सफैम की रिपोर्ट 'डिजास्टर डिवाइड' इसी प्रश्न का एक असहज, किंतु विचारोत्तेजक उत्तर प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट केवल प्रकृति की नाराजगी नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता, अनियंत्रित उपभोग और संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों के बढ़ते नियंत्रण का परिणाम भी है। दुनिया की लगभग 80 लाख आबादी वाले सबसे धनी 0.1 प्रतिशत वर्ग की जीवनशैली और निवेश से होने वाला कार्बन उत्सर्जन करोड़ों नहीं, अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्ग दुनिया के सबसे गरीब 44 प्रतिशत लोगों की तुलना में अधिक कार्बन प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। यह असमानता केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का ऐसा दस्तावेज है, जिसमें कुछ लोगों की विलासिता की कीमत पूरी मानवता चुका रही है। निजी विमान, विशाल नौकाएं, अत्यधिक ऊर्जा खपत और प्रदूषणकारी उद्योगों में निवेश आधुनिक अमीरी के प्रतीक बन गए हैं, जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है, बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं, बीमा और आधुनिक सुविधाओं से नुकसान की भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर, खेत, पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैम के अनुसार, अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्सर्जन भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों, अवसरों और अधिकारों का वितरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी, महंगाई, खाद्य संकट, जल संकट और विस्थापन सामाजिक तनाव को बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे यही तनाव आक्रोश, विद्रोह, अपराध, सामुदायिक संघर्ष और हिंसा का रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसा के पीछे केवल अमीरी-गरीबी का अंतर है, लेकिन जब विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमटता है और संकट का बोझ बहुसंख्यक आबादी पर पड़ता है, तब सामाजिक शांति की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक पहले प्रदूषणकारी उद्योगों से मुनाफा कमाते हैं और फिर उन्हीं आपदाओं से निपटने, सफाई तथा पुनर्निर्माण के कारोबार में लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैम का 'डिस्ट्रॉय एंड रीबिल्ड इंडेक्स' 217 कंपनियों के माध्यम से इसी दोहरे मुनाफे की पड़ताल करता है। यह सचमुच ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, जहां किसी के लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसी के लिए जीवनभर का अभिशाप।

भारत के संदर्भ में यह चेतावनी और भी गंभीर है। भारत की विशाल आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि, निर्माण, छोटे व्यवसायों और असंगठित क्षेत्र पर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान वृद्धि से जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मी में काम करने को विवश है और महानगरों की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मी की दोहरी मार झेल रहे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे जिलों में रहती है जो जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के जोखिम में हैं। वहीं, देश के 57 प्रतिशत जिलों में रहने वाली लगभग 76 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मी के उच्च या बहुत उच्च जोखिम का सामना कर रही है। भारत के लिए चुनौती केवल आर्थिक विकास की गति बढ़ाना नहीं, बल्कि विकास को न्यायपूर्ण, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब विकास की चमक अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यदि एक ओर महानगरों में विलासिता और उपभोग के नए कीर्तिमान बनें और दूसरी ओर गांवों में किसान पानी, बिजली और आजीविका के लिए संघर्ष करता रहे, तो विकास की तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत करना होगा कि आर्थिक समृद्धि और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन संभव है। इसके लिए कुछ बुनियादी प्राथमिकताएं आवश्यक हैं। संपन्न वर्ग और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो, विलासितापूर्ण उपभोग पर उचित कर व्यवस्था बने, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन मिले और जल, जंगल तथा जमीन के संरक्षण को विकास की अनिवार्य शर्त बनाया जाए। साथ ही, जलवायु आपदाओं से प्रभावित किसानों, मजदूरों और कमजोर समुदायों के लिए सामाजिक सुरक्षा, बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था हो। विकास का लाभ केवल पूंजी के स्वामियों तक सीमित न रहे, बल्कि श्रम करने वाले हाथों तक भी पहुंचे।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'अपरिग्रह' जैसे जीवन-मूल्य सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। महात्मा गांधी का 'सादा जीवन, उच्च विचार' केवल व्यक्तिगत आचरण का संदेश नहीं, बल्कि संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व का दर्शन है।

ललित गर्ग

इस पूरे विवाद का ...

अशोक भाटिया

रामलीला मैदान की हुंकार, चुनावी शुचिता और लोकतंत्र की साख का सवाल

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में रामलीला मैदान मात्र एक भौगोलिक स्थल नहीं, बल्कि जन-आकांक्षाओं, ऐतिहासिक आंदोलनों और सत्ता को चुनौती देने वाली बुलंद आवाज़ों का प्रतीक रहा है। एक बार फिर, देश की राजधानी का यह ऐतिहासिक मैदान एक अभूतपूर्व और अत्यंत गंभीर राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन गया है। विपक्षी दलों के साझा गठबंधन द्वारा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष रूप से मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के खिलाफ आयोजित की जा रही 'चलो दिल्ली महारैली' और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 'पब्लिक इंपीचमेंट' की घोषणा ने देश की राजनीतिक सरगर्मी को चरम पर पहुंचा दिया है। विपक्ष का यह सीधा आरोप कि प्रशासनिक व तकनीकी सुधारों की आड़ में बड़े पैमाने पर 'वोट चोरी' की जा रही है और देश भर से करोड़ों वैध मतदाताओं को जानबूझकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर धकेला जा रहा है, भारतीय निर्वाचन प्रणाली की शुचिता पर एक ऐसा प्रश्नचिह्न है जिसे किसी भी स्थिति में हल्के में नहीं लिया जा सकता। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लगाए गए ये आरोप कि मतदाता सूचियों से सुनियोजित तरीके से नाम हटाकर जनता के बुनियादी संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है, केवल एक राजनीतिक दल का विलाप नहीं है, बल्कि यह उन करोड़ों मतदाताओं की आशंकाओं का सीधा प्रतिनिधित्व करता है जो इस देश के असली भाग्यविधाता हैं। लोकतंत्र की पूरी इमारत इस बुनियादी सिद्धांत पर टिकी है कि प्रत्येक नागरिक को 'एक व्यक्ति, एक वोट' का अधिकार प्राप्त हो और वह अधिकार पूरी तरह से पारदर्शी व निष्पक्ष हो। जब इस अधिकार के क्रियान्वयन की नीयत और प्रक्रिया पर ही गहरे सवाल उठने लगें, तो वह स्थिति किसी भी जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक हो जाती है।

विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे SIR अभियान के तहत प्रशासनिक लापरवाही या फिर राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित त्रुटियों के कारण हाशिए के समुदायों, अल्पसंख्यकों और गरीब तबके के मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से गायब किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से लगातार ऐसी गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं, जहां लाखों की संख्या में नाम हटाए जाने पर सवाल उठाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में तो यह आंकड़ा और भी चौंकाने वाला बताया जा रहा है, जहां कथित रूप से पुनरीक्षण की जटिल प्रक्रियाओं के नाम पर जमीनी स्तर पर विसंगतियां देखी गईं। लोकतंत्र में यदि किसी एक भी वैध नागरिक का नाम प्रशासनिक शिथिलता या किसी छिपाए गए एजेंडे के तहत मतदाता सूची से कटता है, तो इसे केवल एक क्लैरिकल गलती मानकर खारिज नहीं किया जा सकता, बल्कि यह उस नागरिक के लोकतांत्रिक अस्तित्व को ही मिटाने जैसा है। यही कारण है कि विपक्ष ने इसे 'वोट चोरी' का नाम देकर एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप दे दिया है और देश भर के युवाओं, छात्रों तथा नागरिक समाज के सदस्यों को इस प्रतिवाद में शामिल होने का खुला आह्वान किया है।

इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील और गंभीर पहलू यह है कि यह मामला अब केवल चुनावी रैलियों या राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश की सर्वोच्च अदालत की दहलीज तक पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायपालिका ने इस मामले में जो तल्ख रुख अपनाया है, उसने इस मुद्दे की गंभीरता को कानूनी और संवैधानिक अमलीजामा पहना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष रूप से निर्वाचन आयोग द्वारा दावे और आपत्तियां दर्ज करने की निर्धारित 30 अक्टूबर की समयसीमा पर सवाल उठाए और आयोग को सख्त निर्देश दिए कि वह इस अवधि को बढ़ाए ताकि पात्र नागरिकों को शामिल होने या अपनी त्रुटियों को सुधारने का पर्याप्त समय मिल सके। इसके अतिरिक्त, अदालत ने मतदाता पंजीकरण फॉर्म (फॉर्म-6, 7 और 8) में किए गए डिजिटल बदलावों और घोषणा पत्रों को लेकर भी आयोग से जवाब-तलब किया है। न्यायपालिका की यह सक्रियता साफ दर्शाती है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गिरती साख को बचाना और चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की गारंटी सुनिश्चित करना देश की आंतरिक स्थिरता के लिए कितना अपरिहार्य हो चुका है। दूसरी तरफ, सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी और निर्वाचन आयोग इन तमाम आरोपों को मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित बताकर सिरे से खारिज कर रहे हैं।

प्रदेश के विन्ध्य...

अभिषेक सिंह

प्रदेश में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधाओं का हुआ विस्तार

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप पेयजल परियोजनाओं का निर्माण कर नल से जल की आपूर्ति की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में जल जीवन मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 50रू50 प्रतिशत वित्त पोषण के आधार पर संचालित इस मिशन के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को उनके घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में कुल 2,67,20,039 ग्रामीण परिवारों को पाइप पेयजल योजनाओं से आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 2,46,53,462 परिवारों को गृह नल संयोजन प्रदान किए जा चुके हैं। इस प्रकार प्रदेश के लगभग 92 प्रतिशत लक्षित परिवारों तक नल कनेक्शन की पहुंच सुनिश्चित की जा चुकी है।

प्रदेश के विन्ध्य एवं बुन्देलखण्ड क्षेत्र के नौ जनपदों में कुल 20,98,899 परिवारों के लक्ष्य के सापेक्ष 20,72,017 परिवारों को क्रियाशील गृह नल संयोजन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, प्रदेश के अन्य 66 जनपदों में 2,46,21,140 परिवारों के सापेक्ष 2,25,81,445 परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। प्रदेश के सभी 97,070 गांवों में ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजनाओं का निर्माण एवं संचालन किया जा रहा है। अब तक 38,317 गांवों को 'हर घर जल' की आपूर्ति की जा रही है, जिनमें से 28,309 से अधिक गांवों को ग्राम पंचायतों द्वारा प्रमाणित भी किया जा चुका है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक पेयजल वितरण नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में लगभग 5.64 लाख किलोमीटर से अधिक जल वितरण प्रणाली बिछाने के लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 5.20 लाख किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। पाइपलाइन निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त हुई लगभग 2.02 लाख किलोमीटर सड़कों के पुनर्स्थापन के दृष्टिगत सड़कों की मरम्मत कराई जा चुकी है। पर्यावरण संरक्षण और परियोजनाओं के दीर्घकालिक स्थायित्व को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में सौर ऊर्जा आधारित पेयजल परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया गया है। कुल 33,157 ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजनाएं, लगभग 80 प्रतिशत परियोजनाओं के रूप में, सौर ऊर्जा आधारित बनाई गई हैं, जिन पर लगभग 900 मेगावॉट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने, संचालन एवं अनुरक्षण की लागत नियंत्रित करने तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही, परियोजनाओं के नियमित संचालन और निर्धारित मात्रा में गुणवत्तायुक्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में संचालन एवं अनुरक्षण नीति-2024 भी निर्गत की गई है। जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन में जनभागीदारी और जागरूकता को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में 28,606 एएनएम, 60,102 आशा कार्यकर्ताओं, 1,10,949 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, 1,10,453 स्कूल अध्यापकों तथा 1,66,504 स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।

जरा हटके

मत्स्य उत्पादन की ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में आवास सुरक्षा और आधुनिक मत्स्य पालन सेसंवर रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती एवं आकांक्षी जनपद बलरामपुर में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और जिला प्रशासन के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। बुनियादी जीवन स्तर को सुरक्षित करने के साथ-साथ पारंपरिक ग्रामीण आजीविका को आधुनिक तकनीक और संस्थागत व्यवस्था से जोड़ने के दोहरे दृष्टिकोण ने विकास की गति को तेज किया है। जनपद में जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास की सौगात मिलने के साथ ही आधुनिक मत्स्य पालन के जरिए किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रगति दर्ज की गई है। ग्रामीण जीवन में स्थायित्व और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित आवास योजनाओं के अंतर्गत जनपद के 134 विपन्न परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। तराई क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों और मौसमी आपदाओं के बीच कच्चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में जीवन यापन करने वाले इन परिवारों के लिए यह पहल सुरक्षा और स्वावलंबन का मजबूत संबल बनी है। वर्तमान प्रदेश सरकार की पहल से निर्धन और वंचित तबके के परिवारों को भी पक्का आशियाना प्राप्त हो सका है। सिर पर सुरक्षित छत मिलने से उनके दैनिक जीवन में निश्चिंतता और आत्मनिर्भरता का संचार हुआ है।

जिला प्रशासन द्वारा इन आवासों का निर्माण पूर्ण पारदर्शिता, जियो-टैगिंग और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से बिना किसी मध्यस्थ के सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में धनराशि भेजकर सुनिश्चित कराया गया है। योजना की सार्थकता केवल चारदीवारी और छत तक सीमित नहीं रखी गई, बल्कि इसे अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यक्रमों के अभिसरण (कन्वर्जेंस) से पूर्णता दी गई है। प्रत्येक आवास के साथ स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय, 'हर घर जल' से स्वच्छ पेयजल, सौभाग्य योजना से विद्युत कनेक्शन तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराकर परिवारों को समग्र व गरिमापूर्ण वातावरण प्रदान किया गया है। बुनियादी सामाजिक सुरक्षा की इस मजबूत नींव पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए मत्स्य पालन क्षेत्र में युगांतकारी परिवर्तन की पहल की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार और विश्व बैंक के वित्तीय व तकनीकी सहयोग से संचालित 'यूपी एग्रीज' परियोजना के माध्यम से बलरामपुर में नीली क्रांति को नया विस्तार दिया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का प्रमुख ध्येय पारंपरिक और निर्वाह स्तर पर चल रहे मत्स्य पालन को उच्च उत्पादकता, वैज्ञानिक पद्धति और संगठित बाजार से जोड़कर एक पूर्णतः व्यावसायिक तथा लाभकारी उद्यम में तब्दील करना है।

परियोजना के सुचारु संचालन हेतु जनपद के 134 चयनित मत्स्य पालकों को संगठित कर क्लस्टर आधारित मॉडल तैयार किया गया है। इसके तहत जनपद में 10 विशिष्ट क्लस्टरों का गठन किया गया है, जिनमें से प्रत्येक क्लस्टर लगभग 10 से 12 हेक्टेयर जलक्षेत्र वाले तालाबों को आच्छादित करता है। इस क्लस्टर प्रणाली ने छोटे और सीमांत मत्स्य पालकों के संसाधनों को एक साझा मंच दिया है, जिससे व्यक्तिगत स्तर पर आने वाली वित्तीय व ढांचागत सीमाओं का निवारण हुआ है और बड़े पैमाने पर उत्पादन की सामूहिक क्षमता विकसित हुई है।

मत्स्य उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ाने के लिए संबंधित विभाग के मार्गदर्शन में मत्स्य पालकों को उच्च गुणवत्तायुक्त व प्रमाणित मत्स्य बीज सुलभ कराए जा रहे हैं। स्थानीय जलवायु के अनुकूल रोहू, कतला और नैनी जैसी प्रमुख भारतीय प्रजातियों के फिंगरलिंग्स उपलब्ध कराने के साथ-साथ पारंपरिक चारे के स्थान पर संतुलित प्रोटीनयुक्त फ्लोटिंग फीड के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे मछलियों के विकास की दर में आशातीत वृद्धि हुई है और जल स्रोतों की गुणवत्ता को सुरक्षित रखते हुए चारे के भरपूर उपयोग में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुयी है।

बलरामपुर की इस मत्स्य परियोजना का सबसे प्रभावी नवाचार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल प्रबंधन प्रणालियों का धरातलीय अनुप्रयोग है। आधुनिक सेंसरों के जरिए तालाबों के पानी में घुलित ऑक्सीजन, पीएच मान, अमोनिया और तापमान की चौबीसों घंटे रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी असंतुलन की स्थिति में मत्स्य पालकों के मोबाइल फोन पर तत्काल अलर्ट पहुँचता है, जिससे आकस्मिक बीमारियों और मृत्यु दर पर समय रहते अंकुश लगाया जा सका है। वैज्ञानिक प्रबंधन और सटीक डेटा विश्लेषण ने उत्पादन लागत को न्यूनतम कर प्रति हेक्टेयर शुद्ध लाभ में ऐतिहासिक सुधार दर्ज कराया है।

उत्पादन से आगे बढ़कर, उत्पादकों को उनकी उपज का वास्तविक प्रतिफल दिलाने के लिए एक सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) और बाजार लिंकेज का निर्माण किया गया है। पूर्व में बिचौलियों के हस्तक्षेप और कोल्ड चेन के अभाव में किसानों को औने-पौने दामों पर मछली बेचने को विवश होना पड़ता था। इस चुनौती को समाप्त करने के लिए जिला प्रशासन और सहयोगी संस्थाओं द्वारा क्लस्टर स्तर पर कोल्ड स्टोरेज, आइस प्लांट, इंसुलेटेड वैन और वैज्ञानिक पैकेजिंग की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे स्थानीय उपज को क्षेत्रीय मंडियों के साथ-साथ बड़े राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों से सीधे जोड़ा जा सके। आधुनिक मत्स्य पालन के इस संगठित ढांचे ने बलरामपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और सहायक गतिविधियों को भी गति प्रदान की है। तालाबों के प्रबंधन, बीज संवर्धन, प्रसंस्कृत आहार निर्माण, ग्रेडिंग, पैकिंग, परिवहन और खुदरा विपणन जैसे विभिन्न चरणों में स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष आजीविका के साधन मिले हैं। स्थानीय स्तर पर ही सम्मानजनक आय के अवसर मिलने से ग्रामीण युवाओं का महानगरों की ओर होने वाला विस्थापन नियंत्रित हुआ है और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में पूंजी प्रवाह बढ़ा है। बलरामपुर में बुनियादी आवास सुरक्षा और आधुनिक कृषि-संबद्ध उद्यमों का यह सामंजस्य ग्रामीण पुनरोद्धार का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। 134 परिवारों को मिले सुरक्षित आशियाने ने जहाँ सामाजिक विषमता को दूर कर नागरिक सम्मान स्थापित किया है, वहीं 134 मत्स्य पालकों का वैज्ञानिक उन्नयन ग्रामीण समृद्धि की नई राह दिखा रहा है।

सिंचाई खंड टांडा की निविदा प्रक्रिया पर दो ठेकेदारों ने उठाई उंगली, तकनीकी बिड दोबारा जांचने की मांग

नहर सफाई के टेंडर में 'आईटीआर' बना अड़ंगा

विवाद

बृजेंद्र वीर सिंह

एक घंटे में फर्मों की पात्रता तय करने पर सवाल

वित्तीय बिड खोलने की तैयारी के बीच शिकायत पहुंची शासन तक

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। नहरों से गाद निकालने और मिट्टी की खुदाई के टेंडर में अब आयकर रिटर्न की शर्त विवाद की वजह बन गई है। सिंचाई खंड टांडा की निविदा प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए एक ठेकेदार ने आरोप लगाया है कि आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि आने से पहले ही उसकी फर्म को इसी आधार पर तकनीकी बिड में अयोग्य कर दिया गया। इतना ही नहीं, तकनीकी बिड का परीक्षण महज एक घंटे में पूरा किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई है। मामला अब अधिशासी अभियंता से लेकर मुख्यमंत्री, जलशक्ति मंत्री और जिलाधिकारी तक पहुंच गया है। निविदा प्रक्रिया को लेकर ठेकेदार राघवेंद्र प्रताप सिंह ने भी आपत्तियां उठाई हैं। उनका आरोप है कि विभाग में पूरे वर्ष सीमित संख्या में तीन-चार फर्मों से ही काम कराए जाने की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने एसआर और एआर मद के धन के कथित दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए निविदाओं और संबंधित कार्यों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

अश्वनी कुमार सिंह ने अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड टांडा को पत्र देकर अपनी फर्म की तकनीकी बिड का दोबारा परीक्षण कराने और नियमानुसार पात्र पाए जाने पर क्वालीफाइड घोषित करने की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, जलशक्ति मंत्री और जिलाधिकारी को भी भेजी गई है। पूरे विवाद में सबसे अहम सवाल आयकर रिटर्न की निर्धारित समय सीमा और उसे तकनीकी अयोग्यता का आधार बनाए जाने को लेकर है।

जिस रिटर्न की तारीख नहीं आई, उसी पर फर्म बाहर करने का आरोप

विवाद लाट संख्या-2 में गाद सफाई और मिट्टी के कार्यों की निविदा से जुड़ा है। एम/एस ए.एस. कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर अश्वनी कुमार सिंह का कहना है कि निविदा में पिछले तीन वर्षों का आयकर रिटर्न मांगा गया था। उनके मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2025-26 का रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि आयकर विभाग ने 21 नवंबर निर्धारित की है। ऐसे में अंतिम तिथि से पहले ही संबंधित रिटर्न उपलब्ध न होने के आधार पर उनकी फर्म को अयोग्य घोषित करना नियमों के अनुरूप नहीं है। शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि विभागीय लिपिक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का आयकर रिटर्न उपलब्ध न होने की आपत्ति दर्ज कर फर्म को तकनीकी बिड से बाहर कर दिया। ठेकेदार ने सवाल उठाया है कि जब रिटर्न दाखिल करने की निर्धारित समय सीमा ही पूरी नहीं हुई थी, तब इसे अयोग्यता का आधार कैसे बनाया गया?

एक घंटे में जांच पूरी, दूसरी फर्मों के दस्तावेज देखने का मौका भी नहीं!

अश्वनी कुमार सिंह ने तकनीकी बिड के परीक्षण की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि महज एक घंटे के भीतर पात्र और अपात्र फर्मों का निर्धारण कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह जल्दबाजी में परीक्षण होने से अन्य निविदादाताओं को प्रतिस्पर्धी फर्मों के दस्तावेज देखने और किसी गड़बड़ी पर आपत्ति दर्ज कराने का अवसर नहीं मिल पाता। उनका कहना है कि तकनीकी बिड की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब वित्तीय बिड खोलने की तैयारी की जा रही है।

रामलीला के टेंट में उतरा करंट, इकलौते बेटे की तड़पकर मौत

कटा केबल बना हादसे की वजह, टेंट के पाइप में दौड़ रहा था करंट

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रामलीला के लिए लगाए गए टेंट का पाइप एक युवक के लिए मौत का कारण बन गया। पाइप में उतरे करंट की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। शुक्रवार शाम हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। परिजनों ने टेंट में बिजली लगाने वाले व्यक्ति पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सम्मनपुर थाना क्षेत्र के सीहमऊ मोलनापुर गांव निवासी आदर्श गुप्त जन्म से ही अपने ननिहाल में रहता था। शुक्रवार शाम वह फतेहपुर ककरडिला बाजार जाने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान रास्ते में रामलीला के लिए लगाए गए टेंट के पास पेशाब करने चला गया। वहां टेंट के लोहे के पाइप में उतरे करंट की चपेट में आने से उसकी जान चली गई। काफी देर तक आदर्श के वापस नहीं लौटने पर उसके मामा विनोद गुप्त उसकी तलाश में निकले। टेंट के पास पहुंचे तो आदर्श मृत अवस्था में पड़ा मिला। यह दृश्य देखते ही परिजनों को सूचना दी गई। कुछ ही देर में परिवार में चीख-पुकार मच गई।

परिजनों के अनुसार, शुक्रवार को बारिश के चलते रामलीला का आयोजन नहीं हुआ था। इसके बावजूद टेंट की मुख्य बिजली चालू थी। आरोप है कि केबल कटा होने के कारण टेंट के पाइप में करंट उतर आया था। इसी की चपेट में आने से आदर्श की मौत हुई। परिजनों ने बिजली कनेक्शन लगाने वाले व्यक्ति पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

आदर्श अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी मौत से मां तारा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता लक्ष्मी गुप्त आलापुर थाना क्षेत्र के इंदईपुर निवासी हैं। परिजनों के मुताबिक, पिता का पत्नी और बेटे से कोई सरोकार नहीं था।

फास्ट न्यूज

महिला सिपाही को मुंहबोली बहन बनाकर 8 लाख ठगे

आगरा । आगरा में एक युवक ने नोएडा में तैनात महिला सिपाही से दोस्ती की। फिर खुद को उसका मुंहबोला भाई बताकर पूरे परिवार का भरोसा जीत लिया। आरोप है कि इसके बाद जमीन में निवेश के नाम पर परिवार से 8.50 लाख रुपये ले लिए। रकम वापस मांगने पर फोन उठाना बंद कर दिया। परिवार को धमकियां भी दी गईं। थाने में सुनवाई नहीं हुई तो पीड़िता ने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

एसएसपी यूपी की सभी 403 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

आगरा। सर्वजन सनातन पार्टी (SSP) ने उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। शनिवार को होटल पीएल पैलेस में आयोजित प्रेसवार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. नागेश्वर राव ने कहा कि देश को अब नए राजनीतिक विकल्प की जरूरत है। प्रेसवार्ता में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रितु राठौर और जिलाध्यक्ष अरुण पचौरी मौजूद रहे। राव ने कहा कि दशकों से राजनीति चार पार्टियों के इर्द-गिर्द घूम रही है। कांग्रेस छद्म-धर्मनिरपेक्षता, सपा पहचान की राजनीति, बसपा जातिवाद और भाजपा छद्म-हिंदुत्व की राजनीति करती है।

आगरा की एंथला सोसाइटी में सजा दीवाली मेला

आगरा । आगरा की एंथला सोसाइटी में शुक्रवार रात दीवाली मेले का आयोजन किया गया। सोसाइटी परिसर में लगे मेले में देर रात तक लोगों की भीड़ जुटी रही। यहां खरीदारी, खानपान और मनोरंजन के लिए अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे। बच्चों ने झूलों का आनंद लिया, वहीं बैंड की प्रस्तुति ने भी लोगों का मनोरंजन किया।

7 साल में बने 15 ओवरब्रिज 1274 करोड़ रुपए खर्च

सीएम योगी कल करेंगे 15वें पुल का लोकार्पण

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में पिछले 7 वर्षों में 15 रेल ओवरब्रिज और फ्लाईओवर का निर्माण कराया गया है। इनमें 14 पुलों का लोकार्पण हो चुका है, जबकि 15वें भोपा बाजार रेल ओवरब्रिज का लोकार्पण 1 नवंबर को होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को 59.44 करोड़ रुपए की लागत से बने इस पुल को जनता को समर्पित करेंगे। इसके साथ ही जिले में ओवरब्रिज और फ्लाईओवर के निर्माण पर कुल खर्च 1274.83 करोड़ रुपए हो जाएगा।

भोपा बाजार रेलवे क्रॉसिंग पर पुल बनने से लोगों को रोज लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। रेलवे फाटक बंद होने पर लगने वाली वाहनों की लंबी कतारें खत्म होंगी और शहर के इस हिस्से में आवागमन आसान होगा।

गोरखपुर में पिछले 7 वर्षों के दौरान 14 ओवरब्रिज और फ्लाईओवर का निर्माण पूरा कराया जा चुका है। इन पुलों के निर्माण पर कुल 1215.39 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। अब भोपा बाजार ओवरब्रिज के निर्माण पर 59.44 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

इसके लोकार्पण के बाद जिले में सेतु निर्माण पर कुल खर्च 1274.83 करोड़ रुपए पहुंच जाएगा। शहर के प्रमुख चौराहों, रेलवे क्रॉसिंग और मुख्य मार्गों पर बने इन पुलों से लोगों का आवागमन आसान हुआ है।

कच्ची शराब के अवैध धंधे से बाहर निकलकर गांव ने बदली अपनी तकदीर

महिलाओं के हुनर से देशभर में फैलेगी रोशनी

आठ स्वयं सहायता समूहों की 80 महिलाएं बना रहीं इको फ्रेंडली दीये

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। किसी गांव की पहचान बदलने के लिए सिर्फ सरकारी योजनाएं ही नहीं, बल्कि लोगों की सोच, मेहनत और रोजगार के नए अवसर भी अहम भूमिका निभाते हैं। इसकी एक मिसाल सूरतगंज ब्लॉक का चैनपुरवा गांव बन रहा है। कभी कच्ची शराब के अवैध कारोबार के कारण चर्चा में रहने वाले इस गांव की तस्वीर अब तेजी से बदल रही है। यहां की महिलाएं अपने हाथों के हुनर से न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में जुटी हैं, बल्कि गांव को एक नई पहचान भी दिला रही हैं। दीपावली के अवसर पर इन महिलाओं के हाथों से तैयार इको फ्रेंडली दीये देश के अलग-अलग शहरों में रोशनी बिखेरने की तैयारी में हैं। गांव में बदलाव की यह कहानी आठ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 80 महिलाओं की मेहनत से आगे बढ़ रही है। महिलाएं आकर्षक डिजाइन के दीये तैयार करने में दिन-रात जुटी हैं। खास बात यह है कि उनके उत्पादों की मांग अब गांव और आसपास के बाजारों तक सीमित नहीं रही। गुजरात, कोलकाता, दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों से ऑर्डर मिलने के बाद उत्पादन तेज कर दिया गया है। अयोध्या, लखनऊ, बनारस और प्रयागराज में भी इन दीयों की पहुंच बनाने की तैयारी है।

गांव की चौखट से महानगरों के बाजार तक पहुंचा हुनर

चैनपुरवा की महिलाओं के लिए यह केवल दीये बनाने का काम नहीं, बल्कि अपने हुनर को बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर है। अब तक करीब डेढ़ लाख दीयों की मांग आ चुकी है, जिनमें से लगभग एक लाख दीये तैयार किए जा चुके हैं। इस बार पांच लाख दीये बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मांग को देखते हुए उत्पादन लगातार बढ़ाया जा रहा है। मधुमक्खी पालन से जुड़े निमित सिंह के मुताबिक, महिलाओं को प्रशिक्षण देकर इस काम से जोड़ा गया है और अब उनके तैयार उत्पादों को अलग-अलग शहरों तक पहुंचाया जा रहा है।

छह रुपये में बिक रहा दीया, महिलाओं की मेहनत को मिल रहा बाजार

महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे इको फ्रेंडली दीये छह रुपये प्रति दीया की कीमत पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आकर्षक बनावट और पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद होने के कारण इनकी मांग बढ़ रही है। त्योहार के सीजन में मिलने वाले बड़े ऑर्डर महिलाओं के लिए रोजगार का अच्छा अवसर बन रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सामूहिक रूप से काम करने से उत्पादन भी बढ़ा है और महिलाओं को एक साथ आगे बढ़ने का मंच भी मिला है।

समस्त 12 श्रेणियों व 30 उपश्रेणियों में प्राप्त आवेदन-पत्रों का स्क्रूटिनी कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए - मा0 नरेन्द्र कश्यप

राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण बैठक की समीक्षा

दिव्यांगजनों को पुरस्कृत करने का उद्देश्य उनके मनोबल को बढ़ाना - राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नरेन्द्र कश्यप

03 दिसम्बर 'विश्व दिव्यांगता दिवस' पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की मंत्री जी ने समीक्षा की।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि समाज के दिव्यांगजन को विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित करने हेतु उ0प्र0 सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिसमे राज्य स्तर पर दिव्यांगजन द्वारा एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाता है। इस राज्य स्तरीय पुरस्कार में कुल 12 श्रेणियाँ तथा 30 उपश्रेणियाँ हैं। श्री नरेन्द्र कश्यप जी ने कहा कि प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों की स्क्रूटिनी कार्य को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा जिन श्रेणियों में आवेदन प्राप्त नहीं हुये हैं उन श्रेणियों में ज़िला दिव्यांगजन अधिकारी एवं ज़िलाधिकारी के माध्यम से आवेदन मंगाए जाए। कोई भी श्रेणी आवेदनकत्ता से रिक्त न रहें। सरकार ने इस मद हेतु पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था की है। अतः इस धनरिश का सदुपयोग किया जाए। उन्होंने इस मद में दी जाने वाली धनराशि का ज़िक्र करते हुऐ कहा कि पुरस्कार की धनराशि जो महज़ 5000/- थी वर्तमान सरकार ने उसे बढ़ाकर 25000/- कर दिया है। वर्गीकृत श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन हेतु 04 पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेन्ट अधिकारी या एजेन्सी हेतु 02 पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था हेतु 04 पुरस्कार, प्रेरणास्रोत हेतु 05 पुरस्कार, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान व उत्पाद विकास हेतु 02 पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन के लिए सर्वश्रेष्ठ कार्य हेतु 02 पुरस्कार, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवायें प्रदान करने वाला सर्वश्रेष्ठ ज़िला हेतु 01 पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका हेतु 04 पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस हेतु 01 पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी हेतु 02 पुरस्कार तथा दिव्यांगजन के सशक्तिकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी हेतु 02 पुरस्कार निमित्त किये गये हैं।

उ0प्र0 सरकार सदैव उनके साथ खड़ी

मंत्री जी ने कहा कि दिव्यांगजों को पुरस्कृत करने का उद्देश्य उनके मनोबल को बढ़ाना तथा उन्हें यह विश्वास दिलाना है कि वह जीवन में अकेले नहीं है बल्कि उ0प्र0 सरकार सदैव उनके साथ खड़ी है। उन्होनें बैठक मे उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की सभी औपचारिकताएं ससमय पूर्ण कर ली जाएं। किसी भी स्तर पर अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। पात्र दिव्यांगजन, नियोक्ता एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को पुरस्कृत किया जाए।

ज्वेलरी दुकान में महिला ने की 15 लाख की चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आज दोपहर ज्वेलरी दुकान में खरीदारी के बहाने पहुंची एक नकाबपोश महिला ने शातिर अंदाज में 15 लाख रुपये की ज्वेलरी चोरी कर ली। महिला ने अपने चेहरे को दुपट्टे से ढक रखा था। वह दुकान में दाखिल हुई और मौका मिलते ही तराजू के पास रखा ज्वेलरी बॉक्स दुपट्टे में छिपा लिया।

इसके बाद वह कुछ ही मिनटों में दुकान से बाहर निकलकर फरार हो गई। चोरी की पूरी वारदात शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में महिला की हरकत साफ दिखाई दे रही है।

मामला थाना सदर क्षेत्र के सुल्तानपुरा स्थित सचिन ज्वेलर्स का है। शोरूम के मालिक सचिन अग्रवाल हैं। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि एक महिला अपने चेहरे को दुपट्टे से ढककर दुकान में प्रवेश करती है।

इसके बाद वह दुकान में रखे सामान के बीच तराजू के पास रखे ज्वेलरी बॉक्स पर नजर डालती है। मौका मिलते ही महिला बॉक्स को उठाकर अपने दुपट्टे में छिपा लेती है। इसके बाद वह बिना किसी को भनक लगे तुरंत दुकान से बाहर निकल जाती है।

महिला के जाने के बाद शोरूम में ज्वेलरी बॉक्स गायब होने की जानकारी हुई। इसके बाद दुकान मालिक सचिन अग्रवाल ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी, जिसमें महिला चोरी करते हुए दिखाई दे रही है।

पुष्पांजलि : लोक सभा अध्यक्ष ने संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की

विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया

विभिन्न महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की

सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और संगठनात्मक कौशल राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे: लोक सभा अध्यक्ष

मंत्रियों, सांसदों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी सेंट्रल हॉल में सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित किए

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह; केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे. पी. नड्डा; केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू; राज्य सभा में विपक्ष के नेता श्री मल्लिकार्जुन खरगे; राज्य सभा के उपसभापति श्री हरिवंश; श्री नितिन नवीन और श्रीमती सोनिया गांधी सहित संसद सदस्य; पूर्व सांसद तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

लोक सभा के महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह तथा राज्य सभा के महासचिव श्री पी.सी. मोदी और लोक सभा एवं राज्य सभा सचिवालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी गणमान्य व्यक्तियों के साथ सरदार पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री बिरला ने देश के युवाओं से आह्वान किया कि वे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा लें तथा अपनी क्षमताओं, नवाचार और सामूहिक प्रयासों को भारत की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करने और विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए समर्पित करें।

दूरदृष्टि और निर्णायक नेतृत्व का अनुपम उदाहरण

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर संविधान सदन में विभिन्न राज्यों से आए युवा विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री बिरला ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी और आधुनिक भारत की राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार का जीवन दृढ़ संकल्प, असाधारण संगठनात्मक कौशल, दूरदृष्टि और निर्णायक नेतृत्व का अनुपम उदाहरण है। राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल के असाधारण योगदान का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद अनेक चुनौतियों और विषम परिस्थितियों के बावजूद राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के बल पर लगभग 560 रियासतों का भारतीय संघ में विलय संभव हो सका। आज भारत की जो एकता एवं अखंडता हमें दिखाई देती है, वह उनके नेतृत्व और दूरदर्शी सोच की अविस्मरणीय देन है।

सिपाही को गोली मारने वाले तीन बदमाशों का एनकाउंटर

वाराणसी पुलिस ने पैर में गोली मारी डॉक्टरों ने सिपाही की एक गोली निकाली

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में ATS से ट्रेनिंग लेने वाले सिपाही को गोली मारकर भागने वाले 3 तस्करों को पुलिस ने शनिवार तड़के 3 बजे एनकाउंटर में पकड़ लिया। एक शुक्रवार रात ही अरेस्ट कर लिया गया था।

डीसीपी गौरव बंसवाल ने बताया- सिपाही अमित शुक्ला पर हमला करने वाले आरोपियों में से एक गिरफ्तार आरोपी राज विश्वकर्मा से पूछताछ में पता चला कि उसके साथी आरोपी अंजनी झा और राजू तिवारी शहर छोड़कर भागने वाले हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें धर दबोचा। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। बदमाशों ने बताया कि हमले में इस्तेमाल हथियार एक सुनसान इलाके में छिपा रखे हैं। पुलिस टीम उन्हें उस जगह ले गई। हथियार निकालते ही दोनों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। वे वहीं गिर पड़े। पुलिस ने उन्हें तुरंत हिरासत लिया। उनके हथियार जब्त किए और इलाज के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। वहीं तीसरा आरोपी को भी मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। मामला लंका थाना क्षेत्र के लोटूबीर में सामनेघाट इलाके का है। घायल सिपाही का ऑपरेशन कर गोली निकाल दी गई है। उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। डीसीपी गौरव बसंवाल के मुताबिक, 30 अक्टूबर की रात करीब 8:30 बजे बृज इन्क्लेव अपार्टमेंट के पास असलहा बेचने पहुंचे आरोपियों की तलाश में लंका पुलिस टीम पहुंची थी। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसमें आरक्षी अमित शुक्ला घायल हो गए। इसके बाद आरोपी स्कूटी से फरार हो गए।

एक हाथ, 2 पीठ में लगीं, वाराणसी में तस्करों को पकड़ने गए थे, वारदात 8:30 बजे सुंदरपुर सब्जी मंडी के पीछे आशुतोष नगर की है

एटीएस से ट्रेनिंग लेने वाले सिपाही को गोली मारी

घटना

■ प्रयागराज के रहने वाले हैं सिपाही अमित शुक्ला

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में शुक्रवार देर शाम ATS से ट्रेनिंग लेने वाले लंका थाने के सिपाही को तस्करों ने गोली मार दी। सिपाही को तीन गोलियां लगी हैं। एक गोली हाथ, जबकि 2 कमर के ऊपरी हिस्से में लगी हैं। सिपाही को गंभीर हालत में BHU के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

वहीं, मुठभेड़ में घायल एक बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी है। एक बदमाश फायरिंग के बाद मौके से भाग निकला। घटना की जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। वारदात 8:30 बजे सुंदरपुर सब्जी मंडी के पीछे आशुतोष नगर की है।

वहां मौजूद दो आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसमें कांस्टेबल अमित शुक्ला को गोली लगी। उन्हें तत्काल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत सामान्य है। घटना लंका थाना क्षेत्र में नरिया चौराहे के आगे हुई। घायल सिपाही अमित शुक्ला मूल रूप से प्रयागराज के लूकरगंज के रहने वाले हैं। उनके पिता का नाम सूर्य मणि शुक्ला है। परिवार में उनकी तीन साल की एक बेटी है। अमित शुक्ला पिछले तीन साल से वाराणसी के लंका थाने में तैनात हैं। इससे पहले वह वाराणसी एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) से ट्रेनिंग भी ली है।

लोहता तक पीछा कर पुलिस ने की जवाबी कार्रवाई

डीसीपी ने बताया- फायरिंग के बाद दोनों आरोपी मौके से भाग निकले। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया और लोहता तक पहुंची। वहां आरोपियों की घेराबंदी की गई। इस दौरान आरोपियों ने दोबारा पुलिस टीम पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुख्य आरोपी राज विश्वकर्मा के बाएं पैर में गोली लगी। उसका एक साथी भागने में सफल रहा।

चार जवानों की टीम मौके पर पहुंची थी

डीसीपी के मुताबिक, पुलिस टीम में दो जवान आगे गए थे, जबकि दो जवान पीछे से उन्हें कवर कर रहे थे। इसी दौरान आरोपियों ने फायरिंग कर दी। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है।

■ फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

> डीसीपी गौरव बसंवाल के मुताबिक, रात करीब 8:30 बजे पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध असलहों की बिक्री कर रहे हैं। इसके आधार पर लंका थाने की क्राइम ब्रांच टीम के चार सिपाही पहुंचे थे।

'अपना टाइम आएगा, रिस्क नहीं तो कुछ नहीं'

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला BHU-IIT पहुंचे। उन्होंने छात्रों को लाइफ और करियर में सफल होने के कई टिप्स दिए।

कुमार मंगलम बिरला ने कहा- जिंदगी में अपने फैसले खुद लेने का साहस होना चाहिए। जोखिम उठाए बिना कुछ बड़ा हासिल नहीं किया जा सकता। जिंदगी की असली खूबसूरती उसकी लंबाई में नहीं, बल्कि उसके अनुभवों और उपलब्धियों में है।

दरअसल, शनिवार को BHU-IIT का 15वां दीक्षांत समारोह था। कुमार मंगलम बिरला इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंगलाचरण मंत्रों के बीच उनका स्वागत हुआ। उन्हें डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि भी मिली है। बाद में बिरला ने टॉपर्स को मेडल पहनाए। BHU-IIT के 2,048 विद्यार्थियों को उपाधियां दी गईं। इनमें बीटेक के 1,106, इंटीग्रेटेड डुअल डिग्री (आईडीडी) के 385, एमटेक/एमफार्मा के 322 छात्र शामिल हैं। इनके अलावा पीएचडी के 182, एमएससी के 39 और बीआर्क के 14 छात्रों को उपाधियां दी गईं।

■ जिंदगी लंबी नहीं, बड़ी होनी चाहिए कुमार मंगलम बिड़ला ने बीएचयू-आईआईटी छात्रों को दिए टिप्स

फास्ट न्यूज

सिगरेट लेने के विवाद में पीएसी दरोगा समेत 3 घायल

बाराबंकी । बाराबंकी में वन विभाग गेट के पास सिगरेट लेने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। शुक्रवार रात 11 बजे कहासुनी के बाद हुई मारपीट में पीएसी के दरोगा समेत तीन लोग घायल हो गए। दरोगा के होंठ पर चोट आई, जिसके बाद तीन टांके लगाने पड़े। घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। मेडिकल जांच में दरोगा के शरीर में अल्कोहल की पुष्टि होने की बात भी सामने आई है।

गोरखपुर एयरपोर्ट पर एसएसएफ का शक्ति प्रदर्शन

गोरखपुर। गोरखपुर एयरपोर्ट परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय एकता सप्ताह और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के मौके पर दूसरी वाहिनी विशेष सुरक्षा बल (SSF) की तरफ से एक खास वेपन और सिक्योरिटी इक्विपमेंट एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। इस दौरान SSF ने अपने हाईटेक हथियारों, बम डिस्पोजल (BDDS) और एंटी-सबोटाज (AS) चेक इक्विपमेंट्स का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत वाहिनी के आर्मी कमांडर रवि शंकर निम (IPS) ने की।

असैनी में युवा संवाद कार्यक्रम

बाराबंकी । बाराबंकी के असैनी स्थित अवध लॉ कॉलेज में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माई भारत (युवा भारत) के तत्वावधान में 'मेरा विकसित भारत : युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को मतदान के महत्व और लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भागीदारी के बारे में बताया।

3 साल की बच्ची से रेप करने वाले को उम्रकैद

फिंगर दिलाने के बहाने ले गया था, 2 लाख रुपए जुर्माना

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर के बिठूर में 3 साल की बच्ची से रेप के मामले में कोर्ट ने रिश्तेदार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। विशेष पॉक्सो कोर्ट ने दोषी पर 2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

घटना फरवरी 2023 की है। आरोपी बच्ची को फिंगर दिलाने के बहाने घर से ले गया था।

करीब एक घंटे बाद बच्ची लहूलुहान हालत में मिली थी।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान बच्ची के माता-पिता अपने बयान से मुकर गए। इसके बावजूद मेडिकल रिपोर्ट और दूसरे साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी माना।

पिता ने 25 फरवरी 2023 को बिठूर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि 24 फरवरी को उनकी बहन की गोदभराई थी। इसमें शामिल होने के लिए हरदोई निवासी मौसी की जेठानी का बेटा सर्वेश उर्फ मटरू घर आया था।

रात करीब 8 बजे सर्वेश उनकी 3 साल की बेटी को फिंगर दिलाने की बात कहकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि वह बच्ची को नसैनिया रोड पर ले गया और उसके साथ रेप किया। करीब एक घंटे बाद परिजनों ने बच्ची की तलाश शुरू की तो वह लहूलुहान हालत में रोती-बिलखती मिली। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सर्वेश को गिरफ्तार कर लिया था। विशेष लोक अभियोजक चंद्रकांत शर्मा ने बताया कि अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट में 8 गवाह पेश किए गए।

अखंड रामायण पाठ, ब्राह्मण सेवा और 5,000 से अधिक लोगों के लिए महा-अन्नदान का भी होगा आयोजन

श्रद्धालुओं के नाम से पुरोहित लेंगे संकल्प

- देश-विदेश के राममक्त डिजिटल माध्यम से बनेंगे सहभागी
- योगी सरकार के 30 लाख दीप प्रज्वलन के भव्य संकल्प को गति देगा 'श्री मंदिर' ऐप लगातार 5वें वर्ष वैश्विक श्रद्धालुओं को जोड़ रही अनूठी पहल
- वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए साझा होगा दीप अर्पण का प्रमाण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन नगरी अयोध्या में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक 'दीपोत्सव-2026' के 10वें संस्करण में देश-विदेश में बैठे करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं को सीधे जोड़ने के लिए डिजिटल तकनीक का अनूठा समन्वय देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पावन सरयू नदी के 56 घाटों पर 30 लाख दीप प्रज्वलित करने के महा-लक्ष्य के बीच भारत का प्रमुख डिजिटल धार्मिक प्लेटफॉर्म 'श्री मंदिर' ऐप श्रद्धालुओं की ओर से 1 लाख दीप प्रज्वलित करवाकर इस भव्य आयोजन में सहभागी बन रहा है। लगातार 5वें वर्ष आयोजित की जा रही इस पहल के अंतर्गत दुनिया के किसी भी कोने में बैठा श्रद्धालु अयोध्या के ऐतिहासिक राजद्वार में प्रभु श्री राम के चरणों में अपनी आस्था का दीप समर्पित कर सकेगा। दीपोत्सव के इस पावन पर्व पर धार्मिक अनुष्ठानों का दायरा केवल दीप प्रज्वलन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि श्री मंदिर ऐप द्वारा इस अवसर पर कई विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन आदर्शों के स्मरण हेतु अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा तथा विद्वान आचार्यों एवं ब्राह्मणों का विधि-विधान से वंदन व सेवा संपन्न होगी। इसके साथ ही, सनातन धर्म में महादान माने जाने वाले अन्नदान के अंतर्गत दीपोत्सव के अवसर पर पांच हजार से अधिक साधु-संतों, श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों के लिए वृहद भंडारे व भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। आस्था और तीर्थों के बीच भौगोलिक दूरी को मिटा रही तकनीक के संदर्भ में श्री मंदिर के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशांत सचान ने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि किसी भी श्रद्धालु की आस्था और उसके आराध्य के पवित्र तीर्थस्थल के बीच भौगोलिक दूरी कोई बाधा नहीं बननी चाहिए।

> दीपोत्सव-2026: 'श्री मंदिर' ऐप के माध्यम से अयोध्या में प्रज्वलित होंगे 1 लाख दीप

इस संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाएगी

श्रद्धालु 'श्री मंदिर' ऐप के माध्यम से 1, 5, 11 अथवा 21 दीप अर्पित करने का विकल्प चुन सकते हैं। श्रद्धालु द्वारा दीप अर्पण का विकल्प चयन करते ही अयोध्या के राजद्वार में उपस्थित विद्वान पुरोहितों द्वारा संबंधित श्रद्धालु के नाम और गोत्र से विधिवत संकल्प लिया जाएगा और पूरी वैदिक मर्यादा के साथ दीप प्रज्वलित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की आस्था और पारदर्शिता को अक्षुण्ण रखने के लिए इस संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाएगी, जिसे बाद में डिजिटल माध्यम से सीधे श्रद्धालु के साथ साझा किया जाएगा। प्रत्येक दीप प्रभु श्री राम के चरणों में समर्पित वैश्विक श्रद्धालुओं की श्रद्धा, विश्वास और मंगलकामनाओं का प्रतीक बनेगा।

भाजपा नेता को दौड़ाया, 5-6 हजार की भीड़, मैराथन में अराजकता पर भड़के

रन-फॉर-यूनिटी में बवाल कुर्सियां तोड़ीं

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में शनिवार सुबह 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन के दौरान जमकर बवाल हुआ। प्राइज बांटने के दौरान प्रतिभागियों ने कुर्सियां तोड़ डालीं। मंच पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। सर्टिफिकेट की लूट मचा दी। प्रतिभागी एक-दूसरे से सर्टिफिकेट छीनने लगे।

आरोप है कि मैराथन में रजिस्ट्रेशन के बाद बिना नियम और झंडी दिखाए दौड़ शुरू कर दी गई। कुछ प्रतिभागियों ने बाइक पर बैठकर दौड़ पूरी की। इससे प्रतिभागी भड़क गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने आयोजक भाजपा नेता को घेर लिया। जब वह भागने लगे तो दौड़ाकर पकड़ लिया।

मैराथन की शुरुआत सुबह 7 बजे होनी थी। आरोप है कि मैराथन तय समय से आधे घंटे पहले ही शुरू कर दी गई। इसमें ऐसे लोग भी पहुंच गए, जिन्होंने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। बिना किसी हरी झंडी और आधिकारिक शुभारंभ के हुई मैराथन में अफरा-तफरी मच गई। लोग भागने लगे और कुछ लोगों ने तो बीच रास्ते में बाइक पर बैठकर मैराथन पूरी की। मैराथन में अराजकता देखकर प्रतिभागी भड़क गए। सेल्फी पॉइंट पर बने मंच पर विजेता को सर्टिफिकेट दिए जाने के दौरान उन्होंने देवी सिंह पटेल को घेर लिया और बेईमानी का आरोप लगाते हुए दोबारा मैराथन कराने की मांग करने लगे। मंच के नीचे कुछ प्रतिभागियों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। देवी सिंह बचकर भागने लगे तो प्रतिभागियों ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस देवी सिंह को किसी तरह सुरक्षित निकालकर सरकारी जीप से नैनी थाने ले गई। वहां विजेता प्रतिभागियों को बुलाकर सम्मानित कराया गया और प्राइज मनी दिलवाई गई। इधर, प्रतिभागियों ने मंच पर रखे सर्टिफिकेट लूट लिए और उनके लिए मारामारी करने लगे। दावा किया जा रहा है कि एक-एक प्रतिभागी 10-10 सर्टिफिकेट उठा ले गया।

■ मैराथन में बेइमानी का आरोप लगाते हुए प्रतिभागियों ने पुलिसवालों को घेर लिया। दोबारा मैराथन कराने की मांग करने लगे।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने कराया था मैराथन का आयोजन

राष्ट्रीय एकता दिवस पर हुई मैराथन का मैनेजमेंट पूर्व राज्य मंत्री और बारा के पूर्व विधायक रामसेवक पटेल के बेटे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. देवी सिंह पटेल देख रहे थे। मैराथन नैनी के अभिनंदन गेस्ट हाउस (मेवालाल की बगिया) से शुरू होकर सच्चा बाबा आश्रम (सेल्फी पॉइंट) तक होनी थी। मैराथन में विजेता को 11,000 और रनर-अप को 7,000 का इनाम दिया जाना था।

■ भाजपा की 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन में नाराज प्रतिभागियों ने कुर्सियां तोड़ डालीं।

> पुलिस भाजपा नेता को नाराज प्रतिभागियों से बचाकर थाने ले गई। इस दौरान लोगों की पुलिसवालों से भी तीखी नोकझोंक हुई। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर नैनी में भाजपा यमुनापार ने मैराथन का आयोजन कराया था। इसमें 5 से 6 हजार लोग शामिल हुए थे। मामला अरैल घाट के सच्चा बाबा आश्रम के पास का है।

वार्ड-13 में जगह-जगह कूड़े के ढेर देख भड़के नगर आयुक्त

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । नगर निगम की सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों की हकीकत जानने के लिए नगर आयुक्त अजय जैन शुक्रवार को वार्ड नंबर-13 संझाई पहुंचे। निरीक्षण के दौरान वार्ड के कई खाली प्लॉट कूड़े से भरे मिले।

वहीं, कई स्थानों पर सड़क किनारे भी कूड़े के ढेर लगे हुए थे। सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिलने पर नगर आयुक्त ने सफाई निरीक्षक श्रवण सोनकर को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने पूरे वार्ड का बीटवार रोस्टर तैयार कर उसी के अनुसार प्रतिदिन सफाई कराने को कहा।

नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि वार्ड में नियमित सफाई के साथ दूसरी शिफ्ट में भी विशेष अभियान चलाया जाए। प्रतिदिन सुबह 10 बजे के बाद सेकेंड शिफ्ट में सफाई कर्मचारी लगाए जाएं।

इस दौरान खाली प्लॉट में जमा कूड़े और नालियों की सफाई कराई जाए, ताकि गंदगी दोबारा न जमा हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। वार्ड की सभी गलियों और सड़क किनारे नियमित सफाई सुनिश्चित कराई जाए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने वार्ड में त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत कराए जा रहे निर्माण कार्यों की भी प्रगति देखी। डीपी एजुकेशन से अनिरुद्ध यादव के मकान होते हुए गायत्री एकेडमी तक सीसी सड़क और आरसीसी नाली निर्माण का निरीक्षण किया।

■ बीटवार रोस्टर से सफाई कराने और सुबह 10 बजे के बाद दूसरी शिफ्ट चलाने के निर्देश

पृष्ठ 01 का शेष...

जिलों में बनेंगे सरदा...

इन केंद्रों पर युवाओं का पंजीकरण, उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुसार कौशल प्रशिक्षण तथा रोजगार की व्यवस्था एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगी। विदेशों में नौकरी के इच्छुक युवाओं को संबंधित देश की भाषा और आवश्यक कौशल का प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की व्यवस्था भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में पांच जनपदों से योजना प्रारंभ की गई है। सभी 18 मंडल मुख्यालयों के लिए धनराशि की व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है। जमीन उपलब्ध होते ही केंद्रों का निर्माण कराया जाएगा। गौतमबुद्धनगर में यमुना प्राधिकरण यह केंद्र विकसित कर रहा है और टाटा जैसी संस्था उससे जुड़ चुकी है। गोरखपुर में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण भी इस पहल से जुड़ा है। कोई युवा हाईस्कूल पास है और काम चाहता है तो केंद्र पर उसका पंजीकरण होगा। उसकी रुचि के अनुसार स्किलिंग होगी और फिर किसी संस्थान, फैक्ट्री अथवा अन्य क्षेत्र में प्लेसमेंट कराया जाएगा। नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त युवा जापान या जर्मनी जाना चाहता है तो उसे संबंधित देश की भाषा सिखाई जाएगी। वहां की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण देकर संबंधित दूतावास के सहयोग से रोजगार की व्यवस्था होगी। कोई युवा ही नहीं, अधिक उम्र का व्यक्ति भी रोजगार चाहता है तो वह एम्प्लॉयमेंट जोन में जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में जॉब कार्ड प्राप्त करने वाले युवाओं को बधाई दी। उन्होंने सीएम युवा योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक की ब्याजमुक्त और गारंटीमुक्त सहायता तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक साथ दो डिग्री अथवा पाठ्यक्रमों से जुड़ने की व्यवस्था की है। युवा कॉलेज की पढ़ाई के साथ कौशल प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं। प्रतिदिन कुछ घंटे स्किलिंग के लिए निकालकर अपने रोजगार की संभावनाएं बढ़ा सकते हैं। सरदार पटेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि युवाओं को राष्ट्रीय एकता, कौशल और रोजगार से जोड़ना है। सरकार इसी संकल्प के साथ सभी 75 जिलों में एम्प्लॉयमेंट जोन विकसित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के पास दुनिया की सबसे युवा आबादी है और उत्तर प्रदेश के पास देश की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यह हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा के लोग इसे बोझ मानते थे, हमने इसको उपलब्धि माना। हमने स्केल को प्रधानमंत्री मोदी जी के स्किल डेवलपमेंट से जोड़ा। स्केल के साथ स्किल जुड़ेगी तो रोजगार भी आएगा। स्केल हो और स्किल न हो, तो गति दुर्गति में बदल जाती है। लेकिन स्केल के साथ स्किल भी हो, तो वही गति प्रगति में बदल जाती है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पहले लोग कहते थे उत्तर प्रदेश नहीं बदल सकता। हमने कहा कि यूपी बदलेगा जरूर। जो बदलना नहीं चाहते थे, उन्होंने यूपी को बीमारू बना दिया था। बीमारू यूपी नहीं था, उनकी मानसिकता बीमारू थी जो उस समय शासन कर रहे थे। पिछली सरकारों ने हर जिले में माफिया पाल रखे थे।

देश में विभाजन की...

इसी संकल्प के साथ आप सभी को एकता दिवस की शुभकामनाएं... भारत माता की जय-3... वंदे मातरम-3। हालात चाहे कितने कठिन क्यों न हों, हमें देश की विकास यात्रा को रुकने नहीं देना है। हमें घुसपैठ डेमोग्राफी में बदलाव को रोकना है। जब भी देश बड़े फैसले लेगा बाधाएं आएंगी, रुकावटें खड़ी होंगी, लेकिन भारत अब रुकने वाला नहीं है। एक भारत श्रेष्ठ भारत का मंत्र और विकसित भारत का लक्ष्य ये अटल संकल्प बन चुके हैं। खास तौर पर सोशल मीडिया को हथियार बनाकर देश के खिलाफ इस्तेमाल की साजिश हो रही है। इनसे निपटना होगा। हमने नक्सलवाद खत्म कर दिया है लेकिन दिमागी नक्सल खत्म नहीं हुए हैं। हालात चाहे कितने कठिन क्यों न हों, हमें देश की विकास यात्रा को रुकने नहीं देना है। हमें घुसपैठ डेमोग्राफी में बदलाव को रोकना है। जब भी देश बड़े फैसले लेगा बाधाएं आएंगी, रुकावटें खड़ी होंगी, लेकिन भारत अब रुकने वाला नहीं है। एक भारत श्रेष्ठ भारत का मंत्र और विकसित भारत का लक्ष्य ये अटल संकल्प बन चुके हैं। जब कठिन समय में देश बाहरी चुनौतियों के समाधान तलाश रहा था। उस समय देश के भीतर की ताकतें अस्थिरता पैदा करने में जुट गई थीं लेकिन देशवासी एक रहे। यही हमारा सबसे बड़ा आधार है। देश की सफलता की गारंटी है।

वाराणसी से स्लीपर...

इसके बाद दोनों कोच में मौजूद स्कूली बच्चों से मिले। एक छात्र ने 'बनारस विकसित भारत' थीम पर बनाई पेंटिंग दिखाई, जिसकी दोनों ने सराहना की। रेल मंत्री ने कहा- वंदे भारत स्लीपर में यात्रियों के साथ क्रू मेंबर्स की सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया है। ट्रेन में क्रू के लिए अलग केबिन और टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। रेल मंत्री ने बताया कि नई दिल्ली से वाराणसी तक बुलेट ट्रेन भी चलाई जाएगी। यह ट्रेन एक घंटे में नई दिल्ली से आगरा और 3 घंटे 30 मिनट में वाराणसी पहुंच जाएगी। सीएम योगी ने कहा- पहले वाराणसी से दिल्ली पहुंचने में 13-14 घंटे लगते थे। अब वंदे भारत स्लीपर से यह सफर 8-9 घंटे में पूरा होगा। बुलेट ट्रेन शुरू होने के बाद काशी से दिल्ली की दूरी साढ़े तीन घंटे में तय होगी। सीएम ने बनारस से राजातालाब और बनारस से प्रयागराज रामबाग के बीच मेमू ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को पीएम मोदी ने 17 जनवरी 2026 को पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाई थी।

2024 लोकसभा चु...

यह सांकेतिक होता है। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (JKNC) के नासिर असलम ने कहा- चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वो हर नागरिक के वोट की रक्षा करे, निष्पक्ष चुनाव करवाए और हर पार्टी को समान नजर से देखे। लेकिन बदकिस्मती से आज इनमें से कुछ भी नजर नहीं आता है, इसलिए हमें मिलकर आवाज उठानी होगी, साथ में खड़ा रहना पड़ेगा।

आजम को जेल के बाह...

वहीं, बेटा अब्दुल्ला आजम रिहा होने के बाद घर चला गया। दरअसल, आजम की रिहाई से करीब 15 मिनट पहले ईडी की एक टीम जेल के अंदर दाखिल हुई थी। CRPF के 24 जवान भी तैनात थे। 29 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2 पैन कार्ड मामले में आजम और अब्दुल्ला की 10 साल की सजा सस्पेंड कर दिया था। दोनों को जमानत दे दी थी। जेल के बाहर आने के बाद आजम खान से ईडी से पूछताछ की। आजम ने कहा कि अब कहने को क्या है? यह मुसलमान होने की सजा है। गलती यह है कि एक मुसलमान ने यूनिवर्सिटी बनाई। यह हमारा गुनाह है। आजम खान का दीदार करने के लिए जेल के बाहर हुकुम रोड पर लोगों की भीड़ जुटी है। सड़क के दोनों ओर लोग खड़े हैं, जिससे जाम की स्थिति बन गई है। जेल से करीब 500 मीटर दूर आजम खान का घर है। लोग उनके बाहर आने का इंतजार कर रहे हैं। रामपुर जिला जेल के अंदर आजम के बड़े बेटे अदीब और छोटे बेटे अब्दुल्ला के कई दोस्त भी पहुंचे हैं। इसके अलावा छह से ज्यादा वरिष्ठ अधिवक्ता भी जेल के अंदर मौजूद हैं। जेल अधीक्षक भी शाम 4:16 बजे से जेल के अंदर हैं। वहीं, जेल के बाहर आजम के समर्थक उनके बाहर आने का इंतजार कर रहे हैं। पहली बार आजम खान 26 फरवरी, 2020 को जेल भेजे गए थे। सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत के बाद 20 मई 2022 को उनकी रिहाई हुई थी। दूसरी बार 18 अक्टूबर, 2023 को जेल भेजे गए। फिर 23 सितंबर, 2025 को रिहाई हुई थी। तीसरी बार 17 नवंबर 2025 को जेल भेजे गए और 31 अक्टूबर को छूट सकते हैं। जेल के अंदर आजम खान से लखनऊ जोन की ईडी टीम की ओर से पूछताछ किए जाने की चर्चा है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मणिपुर में मैतेई समु...

नगा बहुल सेनापति जिले में भी रैली निकाली गई। इसमें SoO समझौता तुरंत रद्द करने और उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन के इस्तीफे की मांग की गई। यह रैली नगा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (NPO), सेनापति डिस्ट्रिक्ट स्टूडेंट्स एसोसिएशन (SDSA) और सेनापति डिस्ट्रिक्ट विमेन्स एसोसिएशन (SDWA) ने आयोजित की थी।
रैली इम्फाल में COCOMI की ओर से बुलाई गई रैली के समर्थन में निकाली गई। UNC अध्यक्ष एनजी लोर्हो ने कहा कि पहाड़ी जिलों के नगा अपने पैतृक जमीन की रक्षा के लिए एकजुट हो गए हैं।
चंदेल जिले में भी इसी तरह की रैली हुई। इसमें उपमुख्यमंत्री किपगेन के इस्तीफे और SoO समझौता रद्द करने की मांग की गई।

तेज गेंदबाज आकिब नबी प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में

नियुक्ति

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी 2 वनडे के लिए चुने गए थे, अब पूरी सीरीज खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती 3 वनडे मैच के लिए भी भारतीय टीम में चुने गए हैं।

BCCI ने शनिवार को बताया कि आकिब को पहले चौथे और 5वें मैच के लिए वनडे टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब वे सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

आकिब नबी ने एक महीने पहले 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में वनडे में डेब्यू किया था। हालांकि, उस मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था।

नबी भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी-20 टीम में मौका मिला है।

शुरुआती 3 वनडे के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी (सिर्फ पहला वनडे), औकिब नबी।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर और उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

एक दिन पहले प्रसिद्ध कृष्णा बाहर हुए

एक दिन पहले 30 अक्टूबर को प्रसिद्ध कृष्णा वनडे सीरीज से बाहर हुए थे। प्रसिद्ध जांघ की चोट (हैमस्ट्रिंग) से उबर रहे हैं। वे 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में चोटिल हुए थे। नबी को कृष्णा का विकल्प माना जा रहा है। हालांकि, बोर्ड ने यह नहीं लिखा है कि नबी को कृष्णा की जगह टीम में लिया गया है।

भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल के साथ प्रसिद्ध कृष्णा। (फाइल फोटो)

> भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से खेली जाएगी। पहला मुकाबला ऑकलैंड में खेला जाएगा।
> फिलहाल, टीम इंडिया 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-1 से आगे चल रही है। उसे चौथे टी-20 मुकाबले में 87 रन की करारी हार झेलनी पड़ी थी।

ध्रुव जुरैल और देवदत्त पडिक्कल ने इंडिया-ए की नैया को दिया सहारा

नई दिल्ली, एजेंसी

ध्रुव जुरैल और देवदत्त पडिक्कल ने मुश्किल स्थिति में विकेट पर पैर जमाते हुए इंडिया-ए को न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट मैच के पहले दिन शनिवार को किसी तरह से संभाल लिया है। इंडिया-ए ने पहले दिन का अंत सात विकेट के नुकसान पर 291 रनों के साथ किया।

पहले दिन न्यूजीलैंड के गेंदबाज हावी रहे और भारतीय बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया। भारतीय टीम जब संघर्ष कर रही थी तब पहले पडिक्कल और फिर जुरैल ने शानदार पारियां खेल टीम को संभाला। स्टम्प्स तक जुरैल 99 और आकाश दीप 25 रन बनाकर खेल रहे हैं। इंडिया-ए ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस मैच में केएल राहुल ने यशस्वी के साथ ओपनिंग नहीं की और इसकी जिम्मेदारी संभाली साई सुदर्शन ने। यशस्वी अपनी फॉर्म में वापसी नहीं कर सके और फ्रेशर शीट की गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद सुदर्शन और पडिक्कल ने टीम को संभालते हुए 91 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को जैरार्ड मैक्के ने तोड़ा। उन्होंने सुदर्शन को अपना शिकार बनाया। उन्होंने 63 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 41 रन बनाए। यश राठौड़ 13 रनों से आगे अपनी पारी नहीं ले जा सके। पडिक्कल की पारी का अंत शीट ने 80 के निजी स्कोर पर कर दिया। अपनी पारी में उन्होंने 140 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौके मारे। उनके बाद भारत ने दो विकेट जल्दी खो दिए। पडिक्कल के तुरंत बाद रविचंद्रन स्मरण बिना खाता खोले आउट हो गए।

मनीषा विमेंस वर्ल्ड रेसलिंग जीतने वाली पहली भारतीय

कजाकिस्तान, एजेंसी

मनीषा भानवाला विमेंस वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने शुक्रवार को कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में अमेरिका की एबिगेल नेट को 59 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में 8-6 से हराया।

29 साल की मनीषा मुकाबले के एक समय 1-5 से पीछे थीं। लेकिन उन्होंने आखिरी 3 मिनट में 7 पॉइंट हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ मनीषा ने अपने पिता सुरेश का सपना पूरा किया। उनके पिता चाहते थे कि बेटी एक दिन वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन बने। 17 अप्रैल 2022 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था।

महिला कुश्ती की पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप 1987 में हुई थी।

2021 में अंशु मलिक ने पहली बार किसी भारतीय महिला पहलवान के तौर पर वर्ल्ड चैंपियनशिप का फाइनल खेला। उन्होंने सिल्वर जीता। इस बार भी भारत को एक साथ दो गोल्ड जीतने के मौके मिले थे। 50 किलोग्राम में नीलम सिरोही और 76 किलोग्राम में काजल ढोचक फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन दोनों को सिल्वर से संतोष करना पड़ा। इससे पहले सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के लिए गोल्ड जीतने वाले एकमात्र पहलवान सुशील कुमार थे। उन्होंने 2010 में यह उपलब्धि हासिल की थी। 2022 में पिता के निधन के 24 घंटे बाद ही मनीषा ने एशियन चैंपियनशिप खेली और गोल्ड मेडल जीती।

मनीषा के कुश्ती में आने की शुरुआत उनके पिता सुरेश की वजह से हुई थी। 2013 में उन्होंने बेटी को फिटनेस सुधारने के लिए कुश्ती के ट्रेनिंग कैंप में भेजा था। धीरे-धीरे कुश्ती मनीषा के लिए फिटनेस से आगे बढ़कर करियर बन गई। इस सफर में रोहतक का छोटूराम अखाड़ा और कोच मंदीप सिंह अहम रहे।

मीरपुर टेस्ट : दूसरी पारी में टीम 142 रन पर ऑलआउट, रोस्टन चेज ने 5 विकेट झटके

बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को 170 का टारगेट दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश ने मीरपुर टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 170 रन का टारगेट सेट किया है। टीम अपनी दूसरी पारी में 142 रन पर ऑलआउट हो गई।

शनिवार को मैच के चौथे दिन बांग्लादेशी टीम ने 79/6 के स्कोर से खेलना शुरू किया। उसने पहले सेशन में 63 रन बनाने में आखिरी 4 विकेट गंवाए।

वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने 5 विकेट झटके। जोमेल वारिकन ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ को एक विकेट मिला।

वेस्टइंडीज के लिए जोमेल वारिकन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। जोशुआ बिशप को 2 विकेट मिले। शमर जोसेफ ने भी 2 विकेट हासिल किए।

नईम ने टेस्ट करियर में पहली फिफ्टी लगाई।

शादमान इस्लाम ने पहली पारी में शतक लगाया

बांग्लादेश ने पहली पारी में 272 रन बनाए थे। टीम के लिए शादमान इस्लाम ने 105 रन की पारी खेली। उन्होंने 234 गेंदों का सामना किया और 11 चौके लगाए। उनके अलावा तौहीद हृदोय ने 42 और लिटन दास ने नाबाद 34 रन बनाए।

वेस्टइंडीज की पहली पारी 245 रन पर सिमट गई थी। टीम ने तीसरे दिन 4 विकेट पर 134 रन से आगे खेलना शुरू किया। तेगनारायण चंद्रपॉल ने 56 और जस्टिन ग्रीव्स ने 46 रन बनाए।

कप्तान रोस्टन चेज 43 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश के लिए नईम हसन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। मेहदी हसन मिराज और ताइजुल इस्लाम को 2-2 विकेट मिले।

नईम हसन ने फिफ्टी लगाई

नईम हसन ने 18 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। वे 91 बॉल पर 52 रन बनाकर आउट हुए। नईम ने टेस्ट करियर में पहली फिफ्टी लगाई।

वहीं, जाकिर अली ने 22 रन बनाए। मेहदी हसन मिराज 9 रन बनाकर आउट हुए। टेलर में कोई बैटर दहाई का आंकड़ा हासिल नहीं कर सका।

मनोरंजन

किचन में गिरे थे, सिर में चोट आई, अंडरवर्ल्ड की धमकियां मिलने पर संजय दत्त ने की मदद

डायरेक्टर संजय गुप्ता का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी

कांटें, काबिल, शूटआउट एट लोखंडवाला, मुंबई सागा जैसी बेहतरीन फिल्में डायरेक्ट कर चुके संजय गुप्ता का आज सुबह निधन हो गया है। एक्टर ने 23 अक्टूबर को 57वां जन्मदिन मनाया था।

रिपोर्ट के अनुसार, डायरेक्टर 30 अक्टूबर को मुंबई स्थित घर के किचन में गिरे थे, हालांकि इसकी जानकारी आज सुबह मिली। इसी बीच संजय गुप्ता के करीबी दोस्त और फिल्ममेकर अशोक पंडित ने एक पोस्ट कर बताया है कि उनका निधन सिर में चोट लगने से हुआ है। जल्द ही उनके अंतिम संस्कार से जुड़ी जानकारी साझा की जाएगी।

संजय के करीबी दोस्त हनीफ चूनावाला ने एएनआई से बातचीत में कन्फर्म किया है कि संजय का निधन किचन में गिरने से लगी चोट के कारण हुआ। दोपहर को संजय गुप्ता के वर्सोवा स्थित घर पर पुलिस टीम पहुंचीं। फॉरेंसिक जांच जारी है। वहीं फिल्म इंडस्ट्री से भी कई सेलेब्स उनके घर पहुंच रहे हैं। डायरेक्टर मिलाप जावेरी उनके घर के बाहर खड़े रोते नजर आए। कुछ हफ्तों पहले ही संजय गुप्ता ने हुसैन जैदी को दिए इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें 1992-93 के बीच अंडरवर्ल्ड की धमकियां मिली थीं। इस समय वह बतौर डायरेक्टर पहली फिल्म आतिश बना रहे थे, जिसमें संजय दत्त, करिश्मा कपूर और रवीना टंडन लीड रोल में थे। उन्होंने बताया कि एक सुबह उनके घर पर फोन आया। दूसरी तरफ से व्यक्ति ने खुद को 'नाना' बताया। संजय को समझ नहीं आया कि कौन नाना है? बाद में उन्हें पता चला कि फोन छोटा राजन का था। फोन पर उन्हें गालियां दी गईं। उन्होंने तुरंत संजय दत्त को फोन किया और कहा कि उन्हें घर से बाहर निकालने में मदद करें। इसके बाद संजय दत्त ने अपने पिता सुनील दत्त की सरकारी गाड़ी उनके घर भेजी। संजय गुप्ता पीछे के रास्ते से उस गाड़ी में बैठकर वहां से निकल गए।

संजय दत्त हुए भावुक, कहा- तुम हमेशा परिवार का हिस्सा रहोगे

संजय दत्त ने कांटे के सेट की एक तस्वीर शेयर कर भावुक अंदाज में लिखा, 'गुप्स, मेरे भाई। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि तुम हमें छोड़कर चले गए। हमने साथ में बहुत कुछ शेयर किया है। न जाने कितनी यादें हैं और हमारी दोस्ती के कितने साल हैं। तुम हमेशा मेरे परिवार का हिस्सा रहे हो और हमेशा रहोगे। मैं तुम्हें, तुम्हारे साथ हुई बातचीत और साथ बिताए हर पल को बहुत याद करूंगा।'

सुधांशु उपाध्याय, रोनित रॉय और रोहित रॉय, संजय गुप्ता के घर पहुंचे हैं।

अपनी पोस्ट में संजय दत्त ने बताया कि वो कुछ समय पहले ही कांटे 2 पर बात कर रहे थे। संजय ने लिखा, 'हमने कुछ दिन पहले ही 'कांटे 2' को लेकर बात की थी। भाई, अब मैं तुम्हारे इस सपने को जरूर पूरा करूंगा। तुम्हारी याद में 'कांटे 2' बनाऊंगा और तुम्हारा यह सपना सच करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करूंगा। तुमसे हमेशा प्यार रहेगा। भाई, तुम्हारे बिना जिंदगी पहले जैसी नहीं रहेगी। ईश्वर तुम्हारी आत्मा को शांति दें।'

पान मसाला एड विवाद में नोटिस मिलने पर बोले- कंपनी की जगह मुझे नोटिस देना गलत

एफडीए की कार्रवाई के बीच बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे अजय

मुंबई । बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन ने पान मसाला के विज्ञापन करने पर महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) से मिले लीगल नोटिस को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अजय देवगन ने अपनी याचिका में FDA के नियमों की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाए हैं। उनका तर्क है कि विज्ञापन में एक एक्टर के तौर पर काम करने के लिए सीधे उन्हें नोटिस देना गलत है। इस मामले में कार्रवाई की जिम्मेदारी विज्ञापन देने वाली कंपनी और मैन्युफैक्चरर की होनी चाहिए, न कि एक्टर की। अजय देवगन की याचिका पर 4 नवंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की डिवीजन बेंच में सुनवाई होने की संभावना है। इस मामले में FDA

कमिश्नर तुकाराम मुंढे ने शुक्रवार को बताया कि जांच पूरी हो चुकी है, जिसमें साफ है कि अजय देवगन, शाहरुख खान और टाइगर श्रॉफ ने राज्य के नियमों का उल्लंघन किया है। अब मामला अगले हफ्ते जॉइंट कमिश्नर के पास भेजा जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत अधिकारी गैर-आपराधिक मामलों में लंबी अदालती कार्यवाही के बिना जुर्माना लगा सकते हैं। इससे पहले विमल उत्पाद की निर्माता कंपनी PB Agro ने अगस्त में दिल्ली हाईकोर्ट का रुख कर महाराष्ट्र FDA के नोटिस को रद्द करने की मांग की थी। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने क्षेत्राधिकार का हवाला देते हुए याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि मामला महाराष्ट्र FDA की कार्रवाई से जुड़ा है, इसलिए इसकी सुनवाई महाराष्ट्र की अदालत में होनी चाहिए।

आरोप- इलाइची की आड़ में पान मसाला का प्रचार किया

महाराष्ट्र FDA ने अगस्त 2026 में अजय देवगन के अलावा शाहरुख खान और टाइगर श्रॉफ को भी विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर शो-कॉज नोटिस जारी किया था। विभाग का आरोप है कि विमल इलायची के नाम पर दिखाए जाने वाले विज्ञापन असल में विमल पान मसाला का सरोगेट प्रमोशन हैं। महाराष्ट्र में तंबाकू या निकोटीन युक्त पान मसाला और गुटखा प्रतिबंधित हैं। ऐसे में FDA का कहना है कि इलायची के विज्ञापन में इस्तेमाल किया गया एक जैसा ब्रांड नाम, लोगो, प्रस्तुति और डायलॉग लोगों के बीच विमल पान मसाला की पहचान को बनाए रखते हैं। इससे प्रतिबंधित उत्पाद का अप्रत्यक्ष प्रचार होता है। FDA ने तीनों एक्टर्स से विज्ञापन में उनकी भूमिका स्पष्ट करने, एंडोर्समेंट कॉन्ट्रैक्ट और भुगतान से जुड़ी जानकारी देने को कहा था। विभाग ने विज्ञापन हटाने और आगे इसके प्रचार में शामिल न होने का निर्देश भी दिया था।

200 करोड़ की ठगी केस में नोरा फतेही को समन

2 नवंबर को कोर्ट में पेश होने के निर्देश ठग सुकेश से महंगे गिफ्ट लेने का आरोप

नई दिल्ली। ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपए के ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नोरा फतेही को समन जारी किया गया है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने नोरा फतेही को 2 नवंबर को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने उन्हें इस मामले में सरकारी गवाह के रूप में अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की ओर से दाखिल तीसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट के आधार पर कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। दरअसल सुकेश पर आरोप है कि उसने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह से करीब 200 करोड़ रुपए की ठगी की थी। नोरा पर इन्हीं ठगी के पैसों से महंगे गिफ्ट्स लेने का आरोप है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में नोरा फतेही से कई बार पूछताछ की थी। नोरा पर आरोप है कि उन्होंने सुकेश या उसके सहयोगियों से लग्जरी गाड़ियां, महंगे बैग और ज्वेलरी जैसे सामान मिले थे।

नोरा और सुकेश को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की की जा चुकी है। इस दौरान नोरा ने खुद 1 करोड़ से ज्यादा कीमत की लग्जरी गाड़ी गिफ्ट में लेने की बात कबूल की थी। ये कार नोरा को 2020 में हुए एक ईवेंट के दौरान चेन्नई में गिफ्ट की गई थी। हालांकि, नोरा फतेही ने हमेशा किसी भी गलत काम में शामिल होने से इनकार किया है।

कोर्ट के 2 जज निलंबित, देशभर में प्रदर्शन, राष्ट्रपति का विमान बीच रास्ते से लौटा

पोलैंड में पीएम टस्क पर तख्तापलट का आरोप

निलंबित

वारसॉ, एजेंसी

पोलैंड में प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की सरकार पर देश की संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगा है। यह विवाद देश की सबसे बड़ी अदालतों में से एक संवैधानिक ट्रिब्यूनल को लेकर शुरू हुआ है।

एक जज ने शुक्रवार को संवैधानिक ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया। इसके बाद उन्होंने खुद ही अध्यक्ष की जिम्मेदारी ले ली। विपक्ष इससे नाराज हो गया। उसने सरकार पर तख्तापलट की कोशिश का आरोप लगाया।सैकड़ों लोग जज के फैसले के विरोध में अदालत के बाहर जमा हो गए। कुछ प्रदर्शनकारियों

ने पुलिस पर चीजें फेंकीं। हालात बिगड़ने पर राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की सेनेगल जाते समय बीच रास्ते से ही वापस लौट आए। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में राष्ट्रपति का देश में रहना जरूरी है। पोलैंड में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों की अलग-अलग जिम्मेदारियां हैं। प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क सरकार चलाते हैं, जबकि राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की देश के संवैधानिक प्रमुख हैं। दोनों के बीच अदालतों में जजों की नियुक्ति और उनके काम करने के तरीके को लेकर विवाद चल रहा है। अब यह लड़ाई देश की सबसे बड़ी अदालतों में से एक संवैधानिक ट्रिब्यूनल तक पहुंच गई है। टस्क चाहते हैं कि पिछली सरकार के समय अदालतों में हुई नियुक्तियों और बदलावों को ठीक किया जाए। उनका आरोप है कि पिछली सरकार ने अपने पसंद के लोगों को अदालतों में बड़े पदों पर बैठाया था। दूसरी तरफ, राष्ट्रपति नावरोत्स्की का कहना है कि टस्क सरकार के फैसले संविधान के नियमों के मुताबिक होने चाहिए। वे सरकार के कई फैसलों का विरोध कर चुके हैं। सरकार बदलने के बाद भी अदालतों की व्यवस्था तुरंत नहीं बदली। पिछली सरकार के समय नियुक्त किए गए कई जज अब भी अहम पदों पर थे।

इस झगड़े की शुरुआत 2015 में हुई थी। उस समय पोलैंड में लॉ एंड जस्टिस पार्टी की सरकार बनी थी। उसने अदालतों और न्यायिक संस्थाओं में कई बदलाव किए थे। जैसे-

1. सुप्रीम कोर्ट के जजों की रिटायरमेंट उम्र 70 से घटाकरक 65 करना
2. अदालतों के प्रमुखों की नियुक्ति में सरकार की भूमिका बढ़ाना
3. जजों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अलग व्यवस्था बनाना

प्रदर्शनकारियों ने कई बार पुलिस पर भी चीजें फेंक कर हमला करने कि कोशिश की।

2015 में शुरू हुआ था अदालतों को लेकर विवाद

विपक्ष और यूरोपीय संघ (EU) ने इन बदलावों का विरोध किया था। उनका आरोप था कि सरकार अदालतों पर अपना नियंत्रण बढ़ा रही है। इससे जजों के स्वतंत्र होकर फैसले लेने की क्षमता कमजोर हो रही है।

2023 में डोनाल्ड टस्क की गठबंधन सरकार सत्ता में आई। उसने चुनाव के दौरान वादा किया था कि अदालतों को राजनीतिक दखल से मुक्त कराया जाएगा और कानून का राज बहाल होगा।

जियो प्लेटफॉर्म्स का मुनाफा 14% बढ़कर 8,389 करोड़ पहुंचा

दूसरी तिमाही में 40,475 करोड़ रेवेन्यू

नई दिल्ली, एजेंसी

जियो प्लेटफॉर्म्स ने इस साल की दूसरी तिमाही में 40,475 करोड़ रेवेन्यू हासिल किया है। पिछले साल इसी दौरान रेवेन्यू 36,332 करोड़ था। कमाई बढ़ने के साथ ही कंपनी का मुनाफा भी 14% बढ़कर 8,389 करोड़ हो गया है, जो पिछले साल इसी समय 7,379 करोड़ था।

कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट यानी EBITDA इस तिमाही में बढ़कर 21,879 करोड़ हो गया है। अगर पहले से तुलना करें तो पिछली तिमाही में यह 20,865 करोड़ और पिछले साल की इसी तिमाही में 18,757 करोड़ था, जो कंपनी के मजबूत फाइनेंशियल मैनेजमेंट को दिखाता है।

जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर आज 1.12% चढ़कर 1437.50 रुपए पर बंद हुआ। 28 अक्टूबर को ये 1,358 पर लिस्ट हुआ था, जो इसके 1,119 के इश्यू प्राइस से 21% ज्यादा है। कारोबार खत्म होने पर कंपनी का शेयर 1,419 रुपए पर बंद हुआ था।

इस तिमाही में जियो ने 91 लाख नए ग्राहक जोड़े हैं। डेटा इस्तेमाल के मामले में ग्राहकों ने नया रिकॉर्ड बनाया है, जहां हर यूजर ने महीने में औसतन 44.2 GB डेटा खर्च किया। इसके साथ ही जियो के नेटवर्क पर कुल डेटा ट्रैफिक पिछले साल के मुकाबले 22% से ज्यादा बढ़ गया है। कंपनी छोड़कर जाने वाले यूजर्स (चर्न रेट) की दर 1.6% पर स्थिर रही हैं।

कंपनी की प्रति यूजर औसतन कमाई यानी ARPU बढ़कर 218.8 हो गई है।

फास्ट न्यूज

फर्जी वीजा एजेंटों के खिलाफ कनाडा सरकार सख्त

ओटावा। कनाडा ने इमिग्रेशन और नागरिकता से जुड़े कुछ विशेष लोगों के लिए नए नियम बनाए हैं। ये कानून उन विदेशी लोगों के लिए बनाया गया है, जो पैसे लेकर सलाह देते समय या प्रतिनिधित्व करते समय कानून तोड़ते हैं। कनाडा सरकार ने ऐसे लोगों के खिलाफ 1.5 मिलियन कनाडाई डॉलर (C$) तक के जुर्माने का प्रविधान किया है।

इंटेल का शेयर एक दिन में 29% गिरा

नई दिल्ली। ग्लोबल चिपमेकर कंपनी इंटेल के शेयरों में शुक्रवार को 29% की गिरावट रही। 1970 के दशक के बाद कंपनी के लिए एक ही दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। कंपनी का शेयर 66 डॉलर पर आ गया है। चालू तिमाही यानी Q4 के कमजोर नतीजे रहने के अनुमानों के चलते निवेशकों ने इंटेल के शेयरों में भारी बिकवाली की है। कंपनी ने इस गिरावट के पीछे इजराइल स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में हुए हादसे के कारण प्रोडक्शन ठप होने और पर्सनल कंप्यूटर यानी PC मार्केट में चल रही सुस्ती को मुख्य वजह बताया है।

'मेरा शरीर दर्द कर रहा है, आत्मा टूट रही है'

वाशिंगटन। यूनाइटेड स्टेट्स के राज्य टेनेसी में क्रिस्टा पाइक नाम की महिला को मौत की सजा दी गई थी। इस सजा को पूरा करने के लिए क्रिस्टा पाइक को पेंटोबार्बिटल नामक जहरीली दवा के दो डोज दिए गए, लेकिन वह फिर भी जिंदा बच गई। इस जहरीले इंजेक्शन के दो डोज किसी की भी जान लेने के लिए काफी होते हैं, लेकिन हैरानी की बात ये है कि क्रिस्टा पाइक की जान इस जहरीले इंजेक्शन की वजह से नहीं गई।

अमेरिका यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचेगा

19 हजार करोड़ की डील, यूरोप-कनाडा उठाएंगे पूरा खर्च

लंदन, एजेंसी

अमेरिका ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है। इस डील की कीमत करीब 19 हजार करोड़ रुपए है। इसका पूरा खर्च यूरोपीय देश और कनाडा उठाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों से बचाव के लिए हर महीने 100 मिसाइलें देने की मांग की है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को इस संभावित सौदे को मंजूरी दी। इसके तहत यूक्रेन को पैट्रियट का सबसे आधुनिक वर्जन PAC-3 MSE मिसाइलें मिलेंगी। ये मिसाइलें हवा में ही दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर सकती हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका की मंजूरी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा शर्तों के मुताबिक इनकी सप्लाई शुरू होने में कई साल लग सकते हैं। उन्होंने अमेरिका से जल्द मिसाइलें देने का रास्ता निकालने की अपील की।

X पर पोस्ट करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि 500 मिसाइलें सर्दियों में यूक्रेन की हवाई सुरक्षा के लिए काफी मददगार हो सकती हैं। लेकिन रूस के हमलों का खतरा अभी है, इसलिए इनकी जरूरत भी अभी है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि अक्टूबर के पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन के अहम ठिकानों पर 30 से ज्यादा हमले किए हैं। उनके मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति पुतिन सर्दियों से पहले यूक्रेन की जरूरी सेवाओं को ठप करना चाहते हैं।

यूरोपीय देशों का रूसी विदेश मंत्री के साथ फोटो खिंचवाने से इनकार, यूक्रेन जंग को लेकर विरोध

जी20 देशों के विदेश मंत्रियों का फोटो सेशन रद्द

अटलांटा, एजेंसी

अमेरिका में हो रही G20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शुक्रवार को रूस को लेकर विवाद हो गया। पहले दिन की बैठक का ग्रुप फोटो सेशन रद्द करना पड़ा।

न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर करीब एक-तिहाई देशों ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ तस्वीर खिंचवाने से इनकार कर दिया था। कुछ देशों ने फोटो सेशन में शामिल नहीं होने की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद अमेरिका ने फोटो सेशन रद्द करने का फैसला लिया। हालांकि, इससे बैठक के बाकी कार्यक्रम पर असर नहीं पड़ा और बातचीत तय कार्यक्रम के मुताबिक जारी रही। अमेरिका ने पोलैंड को

G20 की बैठक में मेहमान के तौर पर बुलाया। अमेरिका पोलैंड को G20 का स्थायी मेंबर बनाना चाहता है। हालांकि रूस इसका विरोध कर रहा है। रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि G20 में नए सदस्यों और मेहमानों को शामिल करने के लिए सभी देशों की सहमति जरूरी है। रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान युद्ध, अमेरिकी टैरिफ और दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों को लेकर देशों के बीच मतभेद रहे। होर्मुज स्ट्रेट समेत समुद्री रास्तों से व्यापार और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही भी चर्चा का मुद्दा रही। इन मतभेदों के कारण बैठक के अंत में सभी देशों की ओर से साझा बयान जारी होने की संभावना नहीं रही। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बैठक में कहा कि वैश्विक चुनौतियों का हल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि कूटनीति से निकाला जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के खतरे को नजरअंदाज नहीं करने, समुद्री रास्तों पर जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने और नाविकों पर हमले रोकने की जरूरत भी उठाई।

यह दो दिवसीय बैठक अमेरिका के अटलांटा शहर में विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी में 30 और 31 अक्टूबर को हो रही है। इसमें भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शामिल हुए हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बैठक में जंग और सप्लाई चैन को लेकर भारत का पक्ष रखा।

यूक्रेन को बैठक में नहीं बुलाया

यूक्रेन G20 का सदस्य नहीं है, लेकिन पहले की कुछ बैठकों में उसे मेहमान के तौर पर बुलाया जाता रहा है। इस बार ट्रम्प प्रशासन ने यूक्रेन को न्योता नहीं दिया।

अमेरिका ने कहा कि इस बार सिर्फ G20 के औपचारिक सदस्यों को ही बुलाने का फैसला किया गया है। रूस के विदेश मंत्री को बुलाने और यूक्रेन को बाहर रखने के फैसले पर यूरोपीय देशों ने नाराजगी जताई।

दक्षिण अफ्रीका को न्योता नहीं

दक्षिण अफ्रीका G20 का संस्थापक सदस्य है और अफ्रीका का एकमात्र सदस्य देश है। इसके बावजूद ट्रम्प प्रशासन ने उसे बैठक में नहीं बुलाया।

अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच गाजा युद्ध, ईरान से रिश्ते, नस्ल आधारित नीतियां और व्यापार जैसे कई मुद्दे को लेकर तनाव है।

रिपोर्ट- 5000 फर्जी एजेंसियों का नेटवर्क बनाया, चीन-रूस से मंगवाए मिसाइलों के पुर्जे

अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर ईरान ने सैन्य सामान खरीदा

तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। समुद्र में अमेरिकी नाकेबंदी के चलते उसके लिए दूसरे देशों से सैन्य सामान मंगाना भी मुश्किल है। इसके बावजूद ईरान ने हथियारों की सप्लाई जारी रखी।

रॉयटर्स की एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने 5000 से ज्यादा फर्जी सरकारी एजेंसियों का नेटवर्क बनाया। इनके जरिए चीन, रूस और दूसरे देशों से मिसाइलों के पुर्जे, विस्फोटक, रॉकेट का ईंधन बनाने वाले केमिकल और भारी ट्रक खरीदे गए। जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच इस नेटवर्क के जरिए करीब 2 लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदा गया। यह पूरा नेटवर्क ईरान के रक्षा मंत्रालय और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) से जुड़ा है।

ये हथियार खुली-लंबी सुरंगों और गुफाओं में हैं।

इस नेटवर्क के जरिए ईरान तेल बेचकर मिलने वाले पैसों से सैन्य सामान खरीदता था। इसके लिए बिचौलियों और विदेशों में बनी फर्जी कंपनियों की मदद ली जाती थी। जांच रिपोर्ट में पता चला कि यह तरीका 2016 से इस्तेमाल हो रहा था। रॉयटर्स ने जिन सौदों की जांच की, उनमें 97% खरीदारी बिना सीधे पैसे भेजे हुई थी। यानी एक देश से दूसरे देश में रकम ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं पड़ी। इससे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम की नजर से बचना आसान हो गया। इस नेटवर्क का पता जून 2025 में '240 एनालिटिक्स' के अर्थशास्त्री नोआम बिनस्टॉक को चला। वह बैंक सेपाह के लीक हुए दस्तावेजों की जांच कर रहे थे।

युद्ध शुरू होने के बाद भी जारी रही खरीदारी

रॉयटर्स की जांच के मुताबिक, 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद भी ईरान में सामान पहुंचता रहा। युद्ध के दौरान मार्च में ईरान का मासिक आयात 47% घटकर 5.4 करोड़ डॉलर रह गया, लेकिन मई में फिर बढ़कर 7.7 करोड़ डॉलर हो गया।

रूस से 76 लाख डॉलर के डेटोनेटर पांच खेप में पहुंचे। आखिरी खेप जून में आई। UAE से भी 2.7 करोड़ डॉलर का सामान आया, जिसकी सबसे नई खेप जून में अमेरिकी नाकेबंदी में ढील के कुछ दिन बाद पहुंची।

एजेंसियों के नाम में छिपा था नेटवर्क का राज

रॉयटर्स ने इजराइल-अमेरिका की रिस्क कंसल्टेंसी '240 एनालिटिक्स' के साथ मिलकर इस नेटवर्क की जांच की। इसमें पता चला कि इन एजेंसियों के नाम MOD से शुरू होते थे और आगे 5 या 6 अंकों का नंबर होता था।

इनके दस्तावेजों में ईरान के रक्षा मंत्रालय का तेहरान वाला पता और बनने की तारीख 11 फरवरी 1979 दर्ज थी। इसी दिन अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान की सत्ता संभाली थी।

हालांकि, रिकॉर्ड के मुताबिक ज्यादातर एजेंसियां 2013 में बनाई गई थीं। उस समय अमेरिकी प्रतिबंधों से ईरान का तेल कारोबार प्रभावित हो रहा था।

इन एजेंसियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए बिचौलियों और विदेशों में फर्जी कंपनियों का सहारा लिया। इन्हें ट्रस्टी कहा जाता है। ये लोग तेल बेचकर मिले पैसों से सैन्य सामान खरीदते थे।

चैटजीपीटी पर नहीं मिलेगी हथियारों की जानकारी

ओपनएआई ला रही सेफ्टी फीचर्स, हिंसक चैट भी नहीं कर सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

चैटजीपीटी से अब हथियारों और सिक्योरिटी सिस्टम से जुड़ी जानकारियां नहीं मिलेंगी। कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह टीनेजर्स के लिए हथियारों और सुरक्षा प्रणालियों से जुड़ी व्यावहारिक जानकारियों पर सख्त प्रतिबंध लगाएगी। यह नियम तब भी लागू होगा जब उपयोगकर्ता का सवाल देखने में सामान्य या बिना किसी हिंसक इरादे वाला लगे। दुनिया में हिंसा को रोकने के उद्देश्य से कंपनी यह नए सुरक्षा उपाय लागू कर रही है। ओपनएआई के नए सुरक्षा नियम सभी यूजर्स पर लागू होंगे। यदि कोई यूजर बातचीत के दौरान लगातार हिंसा या किसी को नुकसान पहुंचाने जैसी बातों पर केंद्रितरहता है, तो चैटजीपीटी उस चैट सेशन को अपने-आप बंद कर देगा। कंपनी ने यह भी बताया है कि यदि कोई यूजर बार-बार इस तरह की हिंसक बातें दोहराता है, तो उसका अकाउंट अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा।

ओपनएआई ने अतीत में हुए जनसंहारों की जानकारी देने के नियमों को भी सख्त बनाया है। सभी यूजर्स के लिए पुराने सामूहिक हमलों के विस्तृत जानकारी तक पहुंच को सीमित कर दिया गया है। इसमें हमलों में इस्तेमाल किए गए हथियारों के प्रकार और उन्हें हासिल करने के तरीकों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां अब चैटजीपीटी नहीं देगा।

हमला : 15 दिन पहले भी यहां हमले में 4 मौतें हुई थी ■ सऊदी पर भी ड्रोन अटैक

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागीं

सना, एजेंसी

यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं।

यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी।

राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था।

यमन में हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष जारी है। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है। वह हूतियों के खिलाफ लड़ रही सरकारी सेना को हवाई मदद भी देता है। वहीं, ईरान पर हूतियों को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं।

सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया। हूती मक्का और मदीना को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि वे सऊदी अरब के सैन्य और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले करते हैं।

राष्ट्रपति भवन परिसर पर हमले के बाद यमन में संघर्ष और तेज होने की आशंका है। हूतियों ने कहा है कि उन्होंने सऊदी सैन्य अभियान से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया था। यमन में हूतियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब ने कई देशों के साथ मिलकर उनके खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया।

अदन यमनी सरकार का हेडक्वार्टर

अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है।

सऊदी का मक्का और मदीना में ड्रोन रोकने का दावा

सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है। मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं।

सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है।

पूर्व बांग्लादेशी अफसर पर आरएडब्ल्यू जासूस होने का शक

नई दिल्ली, एजेंसी

एक दिन पहले शव मिला हसीना के भागने का वीडियो बनाने के बाद नौकरी से निकाला गया

बांग्लादेश में शेख हसीना के भारत भागने का वीडियो बनाने वाले एयरफोर्स अधिकारी केएम तौसीफ सौरी का शव 28 अक्टूबर को ढाका की तुराग नदी में मिला। उन पर भारत की खुफिया एजेंसी RAW से जुड़े होने का आरोप लगा था।

बांग्लादेश के अखबार अमर देश ने आरोप लगाया था कि एयरफोर्स की जांच में कुछ अधिकारियों के RAW से संबंध सामने आए हैं। हालांकि, बांग्लादेश के सैन्य जनसंपर्क निदेशालय ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था।

बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अधिकारी का शव राजाबाड़ी घाट के पास मिला। सौरी ने सफेद पेंट और काली शर्ट पहनी हुई थी। शुरुआत में पुलिस शव की पहचान नहीं कर सकी।

उनकी जेब से मिले आईफोन की मदद से पहचान हुई। शव के साथ एक कलाई घड़ी भी मिली। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ढाका के शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।

5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। इसके बाद वे हेलिकॉप्टर से भारत आ गई थीं। उनका देश छोड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस घटना के कुछ दिन बाद सितंबर 2024 में सौरी को एयरफोर्स से हटा दिया गया। उनके पिता के मुताबिक, परिवार को बताया गया था कि उन्हें अनुशासन से जुड़ी वजहों से हटाया गया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676